● वर्ष-3
● अंक-268
रायपुर, बुधवार
19 जून 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› यह संकेत आएं नजर तो तुरंत शुरू कर...

जीत के बाद पहले वाराणसी दौरे पर बोले मोदी

मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया, मैं यहीं का हो गया हूं

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (18 जून) को लोकसभा चुनाव में दोबारा निर्वाचित होने के बाद अपने पहले दौरे पर वाराणसी पहुंचे और लोगों को संबोधित किया। इसस दौरान मोदी ने कहा कि भारत में 18वीं लोकसभा के लिए हुआ ये चुनाव भारत के लोकतंत्र की विशालता को, भारत के लोकतंत्र के सामर्थ्य को, भारत के लोकतंत्र की व्यापकता को, भारत के लोकतंत्र के जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से, काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। मोदी ने कहा कि काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है, वो वाकई अभूतपूर्व है। इस जनादेश ने

एक नया इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोकतांत्रिक देशों में ऐसा बहुत कम ही देखा गया है कि कोई चुनी हुई सरकार लगातार तीसरी बार वापसी करे, लेकिन इस बार भारत की जनता ने ये भी करके दिखाया है। ऐसा भारत में 60 साल पहले हुआ था।

उन्होंने कहा कि ये बहुत बड़ी जीत है, ये बहुत बड़ी विजय है और बहुत बड़ा विश्वास है। आपका ये विश्वास मेरी बहुत बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि आपका ये विश्वास मुझे लगातार आपकी सेवा के लिए, देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं दिन-रात ऐसे ही मेहनत करूंगा, आपके सपनों और संकल्पों को पूरा करने के लिए हर प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने किसान, नौजवान, नारीशक्ति और गरीब को विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत मैंने इन्हीं के सशक्तिकरण से की है। सरकार बनते ही सबसे बड़ा किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा फैसला लिया गया है।

पीएम ने कहा कि देश में गरीब परिवारों के लिए 3 करोड़ नए घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मान निधि को आगे बढ़ाना हो... ये फैसले करोड़ों-करोड़ों लोगों की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि थोड़ी देर पहले ही देशभर के करोड़ों किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के 20 हजार करोड़ रुपए पहुंचे हैं। आज 3 करोड़ बहनों को लखपति बनाने के तरफ भी बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। कृषि सखी के रूप में बहनों की नई भूमिका उन्हें सम्मान और आय के नए साधन दोनों सुनिश्चित करेगी। आज 30 हजार से अधिक सहायता समूहों को कृषि सखी के रूप में प्रमाण पत्र दिए गए हैं। अभी 12 राज्यों में ये योजना शुरू हुई है। आने वाले समय में पूरे देश में हजारों समूहों को इससे जोड़ा जाएगा।

मोदी ने पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (18 जून) को पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की, जिसके तहत पात्र किसानों के बैंक खाते में 2,000 रुपये जमा किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वाराणसी में एक कार्यक्रम के दौरान 9.26 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों को 20,000 करोड़ रुपये जारी किए। प्रधान मंत्री ने कृषि सखी के रूप में प्रशिक्षित 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को पैरा एक्सटेंशन कार्यकर्ता के रूप में काम करने के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री साय बने किसानः खेतों में बीज छिड़काव कर खेती-किसानी का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अपने गृह ग्राम बगिया में किसान की भूमिका निभाई। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मानसून की शुरुआत के साथ ही अपने पुश्तैनी खेतों में धान की बोनी का शुभारंभ किया।

विस चुनाव के लिए एमवीए जारी करेगा संयुक्त घोषणापत्र

मुंबई. यह घोषणा करने के बाद कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे, महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं, एक संयुक्त घोषणापत्र लाने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, घोषणापत्र उनके सीट-बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा से पहले भी जारी किया जा सकता है। हाल ही में हुए आम चुनावों में एमवीए ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन से बेहतर प्रदर्शन किया। एमवीए ने 48 में से 30 सीटें हासिल कीं, जिससे उन्हें आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए काफी उम्मीदें हैं। नतीजतन, तीनों पार्टियों ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज करने का फैसला किया है। एमवीए के एक सूत्र ने कहा कि गठबंधन सहयोगियों को लगता है कि लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। घोषणापत्र का मसौदा तैयार करते समय, वे यह सुनिश्चित करेंगे कि समुदायों के सभी हितधारकों को समान और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व मिले। सूत्रों ने आगे कहा कि एमवीए गठबंधन के लिए संयुक्त घोषणापत्र का अध्ययन और मसौदा तैयार करने के लिए एक घोषणापत्र समिति का गठन करेगा। इस समिति में गठबंधन के सभी दलों का प्रतिनिधित्व होगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि समिति का नेतृत्व कौन करेगा और इसमें कितने सदस्य होंगे. सूत्र ने कहा, इस घोषणापत्र में किसानों के मुद्दे प्रमुख हो सकते हैं। पिछले सप्ताहांत, एमवीए ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया जहां उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनाव, जो अगले कुछ महीनों में होने वाला है. एक साथ लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की।

महायुति में सियासी संकट?

महाराष्ट्र भाजपा के कई नेता एक समीक्षा बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हुए हैं। वहीं इसके बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बैठक भी की है। सूत्रों के मुताबिक ये बैठक लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन पार्टियों के खराब बैठक को लेकर केंद्रित थी। भाजपा सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ अपने अधिकारिक आवास वर्षा में बैठक की है। वहीं उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बैठक से जाने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कुछ देर तक के लिए जारी रही। भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी के राज्य स्तरीय नेताओं को लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर एक समीक्षा बैठक के लिए बुलाया है। जानकारी के मुताबिक भाजपा राज्य स्तर के पार्टी नेताओं के साथ इस तरह की बैठक अक्सर करती रहती है। बता दें कि हाल ही में खत्म हुए लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खराब प्रदर्शन को लेकर भाजपा नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस्तीफा देने की पेशकश की थी।

गांधी परिवार का दामाद को इंकार बेटी को थमाया टिकट

नई दिल्ली। जबसे प्रियंका गांधी वाड्रा के वायनाड से लोकसभा उपचुनाव लड़ने का ऐलान किया गया है तबसे उनके पति रॉबर्ट वाड्रा बेहद प्रसन्न नजर आ रहे हैं।

वैसे रॉबर्ट वाड्रा की खुद की नजर भी अमेठी संसदीय सीट पर थी लेकिन गांधी परिवार ने अपनी पारम्परिक सीट दामाद को नहीं देकर परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को दे दी। रॉबर्ट वाड्रा को हालांकि इस बात का मलाल नहीं है कि उन्हें अमेठी से उम्मीदवार नहीं बनाया गया। उनका कहना है कि अभी इस बात की खुशी है कि पार्टी ने प्रियंका को उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने कहा कि जब भी मुझसे राजनीति में आने पर सवाल किया गया तब मैंने हमेशा कहा है कि प्रियंका गांधी के संसद में आने के बाद मैं सक्रिय राजनीति में आ सकता हूं।

हम आपको याद दिला दें कि जब रॉबर्ट वाड्रा ने अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी तब उनके समर्थन में पूरे इलाके में पोस्टर भी लगा दिये गये थे लेकिन अंततः बाजी किशोरी लाल शर्मा ने मार ली थी। रॉबर्ट जिस तरह अब भी अपने राजनीतिक कॅरियर के प्रति आशान्वित नजर आ रहे हैं उससे ऐसा लगता है कि उन्हें यकीन है कि अगले चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम भी आ जायेगा। जहां तक प्रियंका गांधी वाड्रा की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि उनके चुनावी राजनीति में पदार्पण के साथ ही भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। दरअसल, पिछले दस सालों में यह देखने को मिला है कि संसद के भीतर और बाहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने में राहुल गांधी सफल नहीं हो पाये। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनावों के दौरान मोदी के हर वार पर शानदार तरीके से पलटवार किया है।

प्रमुख समाचार

हरियाणा में अगली सरकार बनाएगी कांग्रेसः हुड्डा

नई दिल्ली। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव के लिए तैयार है और वह राज्य में अगली सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में जो प्रतिक्रिया मिली है और हरियाणा में हमें जो वोट शेयर मिला है, उसके आधार पर मैं कह सकता हूं कि हम भारी बहुमत के साथ हरियाणा में सरकार बनाने जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 36 बिरादरी ने मन बना लिया है कि कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। हुड्डा ने यह भी दोहराया कि राज्य में कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन राष्ट्रीय चुनावों के लिए था, लेकिन विधानसभा चुनाव के लिए ऐसा कोई गठबंधन नहीं है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया था। सबसे पुरानी पार्टी ने अपने द्वारा लड़ी गई 9 सीटों में से 5 पर जीत हासिल की, जबकि सभी 10 सीटें जीतने वाली भाजपा केवल 5 सीटें ही जीत सकी। भगवा पार्टी का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत गिर गया, जबकि कांग्रेस के वोट शेयर में 15 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

तापमान ने तोड़ा रिकॉर्ड, दिल्ली में अब रात भी दिन जैसे हुए

नई दिल्ली। राजधानी में बीते कई दिनों से दिन के साथ-साथ रात की गर्मी भी परेशान कर रही है। अभी तक अधिकतम तापमान ही रिकॉर्ड बना रहा था, मंगलवार को न्यूनतम तापमान ने भी रिकॉर्ड तोड़ दिया। 13 साल में इस दिन की सुबह सबसे गर्म रही। न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 44 डिग्री दर्ज हुआ। वर्ष 2011 से वर्ष 2023 तक जून के महीने में इतना अधिक न्यूनतम तापमान नहीं रहा है। दिल्ली का पीतमपुरा इलाका सबसे गर्म रहा, यहां अधिकतम तापमान 46 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि पूसा इलाके की सुबह सबसे गर्म रही, यहां न्यूनतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। उत्तर भारत समेत दिल्ली-एनसीआर भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। बीते 13 जून से तो अधिकतम तापमान लगातार 44 डिग्री और उससे ऊपर चल रहा है। जून में ही दो बार दिल्ली का तापमान 45 डिग्री को पार कर चुका है। एक जून को अधिकतम तापमान 45.8 और 17 जून को 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं दिल्ली में लू भी कहर बरपा रही है। इस माह में लू भी सात दिन तक चल चुकी है, जबकि इससे पहले 2014 में भी लू सात दिन तक चली थी। गर्मी का आलम यह है कि पंखे, एसी, कूलर सब फेल होकर गर्म हवा दे रहे

पुंछ में आतंकी और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

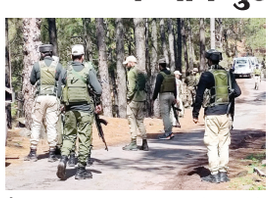

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट में मंगलवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। कई दिनों से चल रहे तलाशी अभियान के दौरान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) पर भारी गोलीबारी हुई। सेना और पुलिस जवानों द्वारा खोजी अभियान चल रहा है। यह हमला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा क्षेत्र में आतंकवादी हमलों के बीच जम्मू में क्षेत्र प्रभुत्व योजना और शून्य आतंक योजना को लागू करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश देने के कुछ दिनों बाद हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने जम्मू और उधमपुर इलाकों में सुरक्षा स्थिति और क्षेत्र में सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें उत्तरी सेना कमांडर और जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) सहित सेना के शीर्ष कमांडरों ने जानकारी दी। पिछले सप्ताह रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार आतंकवादी हमले हुए जिनमें एक सीआरपीएफ और दो आतंकवादियों सहित 10 लोग मारे गए।

लालू यादव से टिकट मांगने पहुंचीं बीमा भारती

नई दिल्ली। व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या के आरोपी बेटे राजा कुमार की तलाश में पुलिस मंगलवार की सुबह राजद नेत्री बीमा भारती के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि राजा ने बिजनेसमैन की हत्या के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी है। पुलिस ने राजद नेता के बेटे राजा को गिरफ्तार करने के लिए उनके घर की तलाशी ली, लेकिन वह वहां नहीं मिले। इस बीच, बीमा एक महिला अधिकारी के बिना एक महिला के घर में प्रवेश करने के लिए पुलिस के खिलाफ खड़ी है। राजद नेता ने कहा कि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन जानबूझकर उन्हें और उनके परिवार को परेशान कर रहा है। व्यवसायी की हत्या के मामले में पुलिस ने एक शूटर को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली गई है। बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपी ने राजा कुमार के नाम का खुलासा किया और पुलिस को बताया कि हत्या के बाद राजा कुमार ने बासा पर पार्टी आयोजित की थी और शूटरों को पैसे दिये थे।

आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत दो ग्रामीणों की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कटघोरा थाना क्षेत्र के कर्रा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से भुवनेश्वर सिंह (42) और बसंती कंवर (40) की मौत हो गई तथा मनबोध सिंह (42) घायल हो गया। उन्होंने बताया कि कर्रा गांव में तीनों ग्रामीण दोपहर अपने खेत में काम करने गए थे और शाम में अचानक तेज गरज के साथ बारिश शुरू हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए, उसी दौरान पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि जब अन्य ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी मिली तब उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी तथा शवों और घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायल ग्रामीण को कटघोरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

भाजपा का स्पीकर बनाने की मुहिम में कितने कामयाब होंगे राजनाथ

राहुल संपाल

नई सरकार के गठन के बाद अब लोकसभा स्पीकर का चुनाव होना बाकी है। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होने जा रहा है। इस दौरान ही नए स्पीकर का चुनाव होना है। सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवाई कर रही भाजपा स्पीकर की कुर्सी अपने पास रखना चाहती है, तो वहीं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) भी यह पद चाह रही है। ऐसे में अब सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की निगाहें लोकसभा अध्यक्ष पर टिकी हुई हैं।

भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ विचार-विमर्श के बाद ये तय मान कर चल रही है कि अगला लोकसभा अध्यक्ष भी भाजपा से ही होगा। पार्टी लोकसभा उपाध्यक्ष का पद एनडीए के किसी सहयोगी दल को देने के लिए तैयार नजर आ रही है। वहीं, दूसरी तरफ विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा के इंतजार में है। एनडीए के किसी के नेता को अध्यक्ष बनाए जाने की स्थिति में विपक्ष का रुख नरम हो सकता है। लेकिन भाजपा के मूल कैडर के नेता को अध्यक्ष बनाए जाने की स्थिति में विपक्ष पूरी ताकत के साथ चुनौती पेश करेगा।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से पहले भाजपा के दिग्गज नेता और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एक्टिव हो गए हैं। संवाद और सबको साध करने चलने में माहिर में राजनाथ सिंह ने एनडीए गठबंधन को एकजुट रखने का जिम्मा संभाल लिया है। वे अपने आवास पर गठबंधन के नेताओं के नेताओं से मिल रहे हैं। हाल ही में राजनाथ के आवास पर हुई बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान, जेडीयू की ओर से ललन सिंह बैठक में मौजूद थे। बैठक में स्पीकर के लिए सांसदों के नाम पर चर्चा हुई और इसके लिए विपक्षी पार्टियों से भी समर्थन जुटाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

हाल ही में राजनाथ सिंह के घर हुई बैठक में संसद सत्र के दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया से कैसे निपटा जाए, इसे लेकर चर्चा हुई। क्योंकि विपक्ष गठबंधन पिछले पांच साल से डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहने को लेकर भाजपा पर आक्रामक है। संसद सत्र के दौरान इसे लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि राजनाथ सिंह पार्टी के ऐसे चेहरों में हैं, जिनकी बात विरोधी दल के नेता भी मानते हैं। उनके सभी दलों के नेताओं के साथ अच्छा तालमेल है। रक्षा मंत्री की मृदुभाषी, संवाद से समस्याएं सुलझाने वाले नेता की छवि है। कई अहम मौकों पर संसद में गतिरोध की स्थिति आने पर सरकार पहले भी राजनाथ को आगे कर चुकी है। ऐसे में लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में राजनाथ सिंह की स्वीकार्यता और मान्य नेता का रोल अहम हो गया है।

दूसरी तरफ, विपक्षी गठबंधन इंडि ने भी यह साफ कर दिया है कि अगर विपक्ष को लोकसभा उपाध्यक्ष का पद नहीं मिला, तो वे स्पीकर के लिए भी अपना उम्मीदवार उतारेंगे। %इंडिया% के सूत्रों का कहना है कि इस बार विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद आसानी से भाजपा और सहयोगी दलों के खाते में नहीं जाने देना चाहता है। इसलिए इंडिया गठबंधन भाजपा के उम्मीदवार की घोषणा के अनुरूप अपनी रणनीति तय करेगा। विपक्ष पुरानी परंपरा का हवाला देकर उपाध्यक्ष का पद उसे देने के लिए भी दबाव बनाएगा। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एनडीए के घटक दलों को भाजपा के पिछले दस साल का इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि अगर भाजपा लोकसभा अध्यक्ष का पद अपने पास रखती है, तो उसके गठबंधन सहयोगी टीडीपी और जेडीयू को अपने सांसदों की खरीद फरोख्त के लिए तैयार रहना चाहिए। टीडीपी और जेडीयू को महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा, मणिपुर जैसे राज्यों में सरकारों को गिराने के भाजपा के षड्यंत्र को नहीं भूलना चाहिए। इनमें से कई राज्यों में तो स्पीकर की भूमिका के कारण ही सरकारें गिरीं और पार्टियां टूटी हैं।

दरअसल, भाजपा के लिए पहली बार लोकसभा अध्यक्ष और लोकसभा उपाध्यक्ष का पद चुनौती बना हुआ है। भाजपा के लिए 16वीं और 17वीं लोकसभा की तरह जैसी स्थिति में नहीं है कि वे सीधे लोकसभा अध्यक्ष के नाम का एलान कर दे। भाजपा ने 2014 और 2019 के चुनाव में जहां अकेले पूर्ण बहुमत के लिए जरूरी 272 के जादुई आंकड़े से अधिक सीटें जीती थीं। इस बार पार्टी 240 सीटें ही जीत सकी है। बहुमत नहीं आने की वजह से भाजपा को इस बार लोकसभा अध्यक्ष चुनने के लिए सहयोगियों दलों पर निर्भर होना पड़ रहा है। भाजपा की सहयोगी टीडीपी और जेडीयू को विपक्षी पार्टियां भी स्पीकर पोस्ट अपने पास रखने के लिए कहते हुए नजर आ रही है। जेडीयू ने तो साफ कर दिया है कि भाजपा जिसे नामित करेगी, हम उसका समर्थन करेंगे लेकिन टीडीपी की ओर से इसे लेकर कोई बयान नहीं आया है।

टीडीपी के रुख को देखते हुए ऐसा नहीं लग रहा है कि वो भी जनता दल (यू) की तरह आसानी से मान जाएगी। टीडीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पट्टाभि राम कोमारेड्डी ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया है कि स्पीकर का पद उसी को मिलेगा, जिसके नाम पर सर्वसम्मति होगी। एनडीए के सहयोगी दल जब एक साथ बैठेंगे, तो यह तय कर लेंगे कि स्पीकर पद के लिए हमारा उम्मीदवार कौन होगा।

शा. उचित मुल्य की दुकानों में बड़ा हेरफेर

लाखों की गड़बड़, खाद्य विभाग की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

कोरबा। कोरबा शहर में संचालित होने शासकीय उचित मुल्य की दुकानों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। सरकारी अनाज की अफरा-तफरी करने के मामले को खाद्य विभाग ने काफी गंभीरता से लिया है और रिकवरी का नोटिस जारी करने के बाद भी जुर्माना की राशि नही पटाने वाले संचालकों के खिलाफ अपराध दर्ज करने संबंधित थाना-चौकी में शिकायत दर्ज कराई है,जिसके आधार पर पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरु कर दी है।

कोरबा शहर के साकेत नगर, दादरखुर्द, भिलाई खुर्द और डिंगापुर में संचालित होने शासकीस उचित मुल्य की दुकान का संचालन करने वाले स्व सहायता समूह ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। सरकारी अनाजों की हेर-फेर कर सरकार को लाखों का चूना लगाया है। मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग ने संबंधितों को नोटिस जारी कर रिकवरी के लिए नोटिस भेजा था,लेकिन किसी ने भी जुर्माना नहीं पटाया यही वजह है कि खाद्य विभाग ने संबंधित थाना चौकी में शिकायत कर अपराध दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि दादर सोसायटी से 24 लाख, सिविल लाइन थाना क्षेत्र में संचालित सोसायटी से 22 लाख और सीएसईबी चौकी क्षेत्र में संचालित सोसायटी से लाखों की वसूली करनी है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा ने बताया,कि शिकायत के आधार पर पुलिस द्वारा जरुरी कार्रवाई की जा रही है।

प्रारंभिक तौर पर बात सामने आई है,कि सोसायटी संचालकों ने गरीबों के अनाज पर डाका डालकर उसे बेच दिया और अपने निजी स्वार्थों की सिद्धी की। अब जब पुलिस कार्रवाई का डंडा चलना शुरु हो गया है,तो उनके पसीने छूटने लगे है।

जिले में ऐसे कई और भी सोसाइटी हैं जहां खाद विभाग को रिकवरी करना है कई बार नोटिस भी जारी किया गया कई दुकानों से रिकवरी लेकिन अभी भी कई दुकान ऐसे हैं जिन्होंने अब तक राशि नहीं पटाया है। विभाग में इस बार कड़ा रूप अपनाते हुए संबंधित थाना चौकी को लिखित में कार्रवाई करने आवेदन दिया है जिसमें मानिकपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई है कि दादर खुर्द स्थित मां कंकालिन स्व सहायता समूह के द्वारा लाखों रुपए रिकवरी किए जाने हैं।

वहीं सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान से भी रिकवरी किया जाना है इसकी शिकायत लिखित थाने में दर्ज कराई गई है वही सीएसईबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत साकेत नगर में भी शासकीय उचित मूल्य की दुकान में गड़बड़ी पाई गई है जहां पुलिस से शिकायत की गई है इसके अलावा कई और जगह है जिनकी शिकायत की जानी है इस शिकायत के शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालकों में हड़कंप मच गया है। बहरहाल देखने वाली बात होगी,कि पुलिस की कार्रवाई कहां तक जाती है।

गरीब आदिवासियों पर आफत बनकर टूटे नक्सली

नारायणपुर। बस्तर में लगातार चल रही सर्चिंग के बाद से माओवादियों के बीच बौखलाहट बढ़ती जा रही है। ताजा घटनाक्रम नारायणपुर जिले के आदनार पंचायत का है। गांव वालो के मुताबिक बड़ी संख्या में पहुंचे नक्सलियों ने गांव के एक परिवार के 15 सदस्यों को गांव से बाहर खदेड़ दिया है। जिन गांव वालों को नक्सलियो ने गांव से बाहर खदेड़ा है वो सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। नक्सलियों ने जिन लोगों को गांव से बाहर खदेड़ा है उनको धमकी भी दी है कि अगर वो गांव लौटे तो उनकी हत्या कर दी जाएगी। एक हफ्ते पहले ही माओवादियों ने इसी परिवार के दो सदस्यों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी।

नक्सलियों ने जिन लोगों को गांव से बाहर किया है वो लोग किसी तरह से जान बचाकर जिला मुख्यालय होते हुए रैन बसेरे में पनाह लेकर रह रहे हैं। गांव से निकाले गए ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार की शिकायत है कि जिला प्रशासन का कोई अभी अधिकारी इस घटना के बाद मदद के लिए आगे नहीं आया। घटना के बाद से ही मुर्सलनाा गांव के ग्रामीणों में भी डर का माहौल है। गांव वालों को डर है आने वाले दिनों में नक्सली उनको भी निशाना बना सकते हैं। नाराणयपुर के नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार खुल रहे पुलिस कैंप से नक्सली बौखलाए हैं। इसी बौखलाहट में वो गांव वालों को सीधे सीधे निशाना बना रहे हैं। कभी गांव वालों को मुखबिर तो कभी पुलिस का मददगार बताकर उसकी हत्या से भी बाज नहीं आ रहे हैं। नक्सली अक्सर अपने बयानों और पर्चों के जरिए ये बताती रही है कि वो गरीब आदिवासियों की सच्ची हितैषी है। पर सच अब लोगों के सामने है। नक्सली अपनी जान बचाने के लिए कभी गांववालों को ढाल बना रहे हैं तो कभी उनको निशाना।

मुख्यमंत्री साय दिखे किसान की भूमिका में

अपने खेतों में बीज का छिड़काव कर खेती-किसानी का किया शुभारंभ

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ राज्य की कमान संभालने के साथ साथ अपने पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी संभाल रहे हैं। उन्होंने आज अपने गृह ग्राम बगिया में मानसून की आहट को देखते हुए पुश्तैनी खेतों में खेती-किसानी की शुरूआत की। उन्होंने स्वयं एक किसान की तरह धान की बोनी कर परंपरा का निर्वहन किया।

मुख्यमंत्री ने परंपरा के मुताबिक पांच बार बीजों को अपने हाथों में लेकर खेतों में बिखरा दिया, इसके बाद परिवारजनों ने भी उनका अनुसरण किया। खेती-किसानी को लेकर जशपुर, सरगुजा अंचल के किसानों में ऐसी परंपरा है, जिसमें परिवार के लोग मुखिया के साथ धान की बोनी की रस्म निभाते हैं। मुख्यमंत्री खेती-किसानी का पारंपरिक परिधान पहनकर खेतों में नजर आए। उन्होंने पगड़ी लगाई और पारंपरिक वस्त्र पहना इसके बाद टोकरी में धान बीज रखे और इनकी पूजा की गई। उल्लेखनीय है कि फसल की समृद्धि की कामना के लिए बीज छिड़कने के पूर्व यह रस्म जशपुर-सरगुजा क्षेत्र में की जाती है। छत्तीसगढ़ किसानों का प्रदेश है प्रदेश का हर किसान खेती किसानी की तैयारियों में जुट गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में बेहतर खरीफ फसल के लिए बीते दिनों कृषि विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी की। मुख्यमंत्री किसानों के सरोकार रखते हैं चूकि वे हमेशा खेती-किसानी से जुड़े रहे हैं, इसलिए उन्होंने समय पूर्व ही अधिकारियों को खाद बीज की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को किसानों की जरूरतों के अनुरूप कृषि अदानों की व्यवस्था करने और टेक्नोलॉजी का अधिक प्रयोग करते हुए उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया था।

कांग्रेस की महापौर व 6 पार्षदो के भाजपा में शामिल होने के बाद नई एमआइसी गठन की कवायद

जगदलपुर। नगर पालिक निगम का चुनाव को भले ही अभी 5 माह से अधिक का समय बचा हुआ है, लेकिन निगम में जोड़-तोड़ की राजनीति चरम पर है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कांग्रेस की महापौर सहित 6 पार्षदो के भाजपा में शामिल हो जाने के बाद अब आंकड़ा पूरी तरह से बदल गया हैं। नगर पालिक निगम के कुल 48 वार्डों में से 29 पार्षदों की संख्या में रहने वाली कांग्रेस के पार्षदों की संख्या 23 हो गई है। वहीं 19 पार्षदों की संख्या वाली भाजपा अब 25 में आ गई हैं। इस आधार पर अब नगर पालिक निगम में भाजपा की नई एमआइसी गठन की तैयारी शुरु हो चुकी हैं और जल्द ही महापौर अपने नए एमआईसी के साथ नगर पालिक निगम के सदन में दिखेगी।

भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस नए एमआईसी में दल बदल कर आये कांग्रेसी पार्षदों को भी जगह दी जाएगी और वे कौन होंगे इसकी सूची भी तैयार कर ली गई है। इसके लिए भाजपा संगठन से भी हरी झंडी भी मिल चुकी हैं। इधर सत्ता से विपक्ष में आई कांग्रेस भी अपना नेता प्रतिपक्ष का नाम तय कर लिया गया हैं, जल्द ही नेताप्रतिपक्ष का नाम सामने आ जाएगा।

नगर पालिक निगम की सत्ता से विपक्ष में पंहुची कांग्रेस ने महापौर पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि अपने भष्टाचार को छुपाने के लिए महापौर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में भाग गई हैं। जनता ने काँग्रेस के सिम्बाल से महापौर बनाया था। अब जनता जाना चुकी हैं कि जनता का हित रखने वाली महापौर कहा चली गई है। कांग्रेस का कहना है कि नगर पालिक निगम के सदन में बहुमत साबित भी करना होगा। इधर नगर पालिक निगम की सत्ता में काबिज हुई भाजपा ने दावा किया है कि महापौर उनके एमआईसी सदस्य शहर विकास के लिए काम करेंगे और बहुमत भी हासिल करेंगे।

स्कूल गेट के सामने नशे में धुत मिला प्राचार्य

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में नए शिक्षण सत्र की शुरुआत होने वाली है। प्रदेश में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में राज्य सरकार लगातार जुटी है। लेकिन आए दिन शिक्षकों के शराब के नशे में धुत्त होकर स्कूल पहुंचने की घटना सामने आती रहती हैं। ऐसी ही एक घटना बलौदाबाजार जिले से सामने आ रही है। नशे में धुत एक प्राचार्य स्कूल पहुंचा और गेट के सामने ही चादर ओढ़कर सो गया।

यह घटना बलौदाबाजार विकासखंड के शासकीय हाईस्कूल गिंदोला का है। मंगलवार को एक हाईस्कूल के प्राचार्य शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंच गया। नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचे मास्टर साहब एक भी क्लास अटेंड नहीं कर पाए। इस बीच शराबी प्राचार्य गेट के सामने ही चादर ओढ़कर सो गया। इसकी खबर लगते ही गांववालों ने शराबी प्राचार्य का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। हाईस्कूल प्राचार्य के शराब के नशे में धुत होकर स्कूल आने की खबर आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई है। अभी नए शिक्षण सत्र की शुरुआत भी नहीं हुई है और स्कूल के मुखिया की ऐसी हरकतें सामने आ रही है। परमेश्वर सेन शासकीय हाईस्कूल गिंदोला में प्राचार्य के पद पर पदस्थ हैं, जो आज स्कूल गेट के पास नशे में धुत मिला। इसका वीडियो बनाकर ग्रामीणों ने सोशल मीडिया में वायरल किया है, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे है। लोग कह रहे हैं कि जब स्कूल का मुखिया ही ऐसा हो फिर देश के नौनिहालों के भविष्य का क्या होगा। अब देखने वाली बात होगी कि ऐसे प्राचार्य पर शासन प्रशासन कड़ी कार्रवाई करती हैं या नहीं। रविवार को छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने गर्मी की छुट्टियां बढ़ा दी हैं। राज्य के सभी स्कूलों में 25 जून तक अवकाश की घोषणा की गई है।

आयुष्मान कार्ड से ईलाज कराने में न हो कोई परेशानी : कलेक्टर

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को ईलाज में किसी प्रकार की समस्या न हो इस बात को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है तथा गरीब परिवार के सदस्यों को मुफ्त ईलाज की सुविधा प्रदान करती है। उन्होने कहा कि शासकीय अस्पतालों के साथ ही जिले में अनुबंधित कुल 13 निजी अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड से ईलाज कराने में समस्या न हो। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में कोई बाधा ना आये। किसी क्षेत्र विशेष में कोई समस्या हो तो उसे दूर करने के लिए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होने कहा कि एसडीएम के द्वारा ली जाने वाली बैठको में विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को शामिल होकर स्वास्थ्य विभाग से सम्बंधित कोई समस्या ही तो जरूर बतायें। उन्होने विगत दिवस जिला मुख्यालय में हुई अप्रिय घटना में पीड़ितों का निशुल्क ईलाज कि व्यवस्था तथा दस्तावेजों का संधारण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले की वर्तमान परिस्थिति के मद्देनजर सभी अस्पतालों में जिला कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर 9479190629 तथा एम्बुलेंस कॉल नंबर को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए. इसके साथ ही अस्पताओं से निकलने वाले जैव अपशिष्ट पदार्थों के उचित निपटान के लिए उपयुक्त व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। बरसात के मौसम में मौसमी बिमारियों के रोकथाम के लिए शहरी एवं मैदानी क्षेत्रों में बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

केंद्रीय राज्य मंत्री साहू ने राजीव लोचन के दर्शन किये

राजिम। बिलासपुर से भाजपा के पहली बार सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री (आवास एवं शहरी विकास) तोखन साहू ने राजिम में भगवान राजीव लोचन के दर्शन किये।मंत्री बनने के बाद वे पहली बार राजिम पहुंचे थे। मंदिर में भगवान के दर्शन के बाद वे अपने कार्यक्रम में शामिल होने कांकेर के लिये रवाना हो गये। तोखन साहू ने कहा कि, प्रदेश का विकास पहली प्राथमिकता होगी। प्रदेश और देश में डबल इंजन की सरकार है। छत्तीसगढ़ का विकास अब तेजी से होगा। प्रदेश में होने वाले राजिम कुंभ में भी अब केंद्र से सहयोग मिलेगा। बलौदाबाजार में हुई घटना की जिम्मेदार कही न कही कांग्रेस है। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होने कहा कि, प्रदेशभर में हो रहे दंगा फसाद के पीछे कहीं न कहीं इन लोगों का हाथ है।

फ्लाई ओवर पर गिरा बियर की बोतलों से भरा ट्रक

राजनांदगांव। औरंगाबाद से 2400 केन में बियर की बोतलों को लोड कर ट्रक ओडिशा जा रहा था कि राजनांदगांव जिले के फ्लाई ओवर पर एक ट्रक को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पटल गई। ट्रक के पलटने से 40 फीसदी बियर के बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गए है। घटना की जानकारी मिलते ही आबकारी विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को वहां से हटाया और दूसरे ट्रक में बचे हुए बियर के बोतलों को लोड कर ओडिशा के लिए रवाना किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बियर की बोतलों से भरा ट्रक औरंगाबाद से दुर्ग के रास्ते होते हुए ओडिशा जा रहा था कि राजनांदगांव पहुंचने पर फ्लाई ओवर के ढलान पर एक वाहन को बचाने के दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह हादसा रात करीब 12 से 01 बजे के बीच की बताई जा रही है। ट्रक के इस तरह पलट जाने से उसमें रखा 2400 केन बियर में से 40 फीसदी बियर के बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस को हुई वे दलबल के साथ वहां पहुंचे।

कॉफी विद कलेक्टर कार्यक्रम में शामिल हुए बीजादूतीर स्वयंसेवक

बीजापुर। बीजादूतीर स्वयंसेवकों को कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने कॉफी विद कलेक्टर कार्यक्रम के लिए अपने निवास पर आमंत्रित किया। इस दौरन स्वयंसेवकों ने अपने कार्य क्षेत्र का अनुभव साझा किया और कलेक्टर निवास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर बीजादूतीर स्वयं सेवक उत्साहित नजर आए। कलेक्टर ने स्वयंसेवकों की सराहना की और जिले में किए जा रहे विकास कार्यों में उनके योगदान को सम्मानित किया। सभी ब्लाकों से आए बीजादूतीर स्वयंसेवकों ने अपने कार्यो की विस्तृत जानकारी साझा किया और शासन के लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी भूमिका को विस्तार से अवगत कराया। साथ ही फादर्स डे के अवसर पर बीजादूतीर परिवार की ओर से कलेक्टर अनुराग पाण्डेय को डायरी और पेन भेंट किया गया। इस मौके पर कलेक्टर ने स्वयंसेवकों को एक्सप्लोजर विजिट के लिए आश्वासन भी दिया जिससे उनके अनुभव और ज्ञान में वृद्धि हो सके। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर कैलाश वर्मा, एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कौशल भी सम्मिलित हुए।

जच्चा बच्चा अस्पताल बना रेफरल सेंटर

कांकेर। कांकेर शहर की मितानिन और एमटी ने अलबेलापारा के एमसीएच (मदर एंड चाइल्ड केयर) अस्पताल की बदइंतजामी के खिलाफ मोर्चा खोला है। कांकेर शहर में 36 मितानिन और 2 मितानिन प्रशिक्षक हैं। मितानिनों का आरोप है कि वे गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाती हैं। बावजूद इसके यहां उनका ठीक से इलाज नहीं किया जाता। विरोध करने पर गर्भवती महिलाओं को रेफर कर दिया जाता है। मितानिनों के अनुसार इस वर्ष जनवरी से मई तक 25 केस रेफर किए जा चुके हैं।यहां से जिन केसेस को जटिल बताकर रेफर कर दिया जाता है,वहीं दूसरे अस्पतालों में सामान्य तरीके से हैंडल किए जाते हैं। कांकेर शहर की मितानिनों ने बताया कि जिला मुख्यालय में स्थित मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल में आईसीयू नहीं होने से परेशानी होती है। सोनोग्राफी रोजाना नहीं की जाती।सिर्फ मंगलवार और गुरुवार को ही सोनोग्राफी की जाती है, जिससे परेशानी होती है। मितानिन ने कहा मरीजों के परिजनों से ही अस्पताल के वार्डों की साफ सफाई कराई जाती है।

विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही आई सामने

कांकेर। कांकेर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुलंगी में बिजली खंभे से चिपक कर लाइनमैन की मौत हो गई। बिजली विभाग की लापरवाही ने लाइनमैन की जान ले ली। पूरा मामला कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के सुलंगी गांव का है। कोयलीबेड़ा थाना प्रभारी मालिक राम ने बताया कि कोयलीबेड़ा क्षेत्र के सुलंगी गांव में बिजली का सुधार कार्य चल रहा था तभी अचानक बिजली सप्लाई चालू कर दिया गया जिससे करंट की चपेट में आकर लाइनमैन किशुन दर्रो की मौत हो गई। काफी देर तक लाइनमैन खंभे में चिपका रहा जहां बिजली सप्लाई बंद करने के बाद उसके शव को उतारा गया। मृतक लाइनमैन हल्बा चौकी अंतर्गत का रहने वाला था। गौरतलब हो कि विद्युत विभाग अपने कर्मचारियों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहा है। बिजली कर्मी बिना सुरक्षा उपकरण के खंभे में चढ़कर काम करते नजर आते हैं। ठेका कंपनियां भी बिजली सुधार कार्यों में सुरक्षा की अनदेखी करते है। इसे देखने वाला कोई नहीं है। बारिश के समय दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

सचिव ने ग्रामीण औद्योगिक पार्क का किया अवलोकन

■ **चाम्पा-जांजगीर और दिल्ली के व्यवसायियों को बेचा 19 लाख रुपए का रेशम धागा**

जगदलपुर। राज्य शासन के योजना एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव अंकित आनन्द ने जिले के मंगनार,तुरेनार और कोड़ेनार स्थित ग्रामीण औद्योगिक पार्क का अवलोकन कर उत्पादक गतिविधियों में सलंग्न महिला स्व-सहायता समूहों तथा उद्यमियों से रूबरू होकर उनकी आर्थिक गतिविधियों के बारे में चर्चा की। वहीं पंचायत पदाधिकारियों से भेंटकर इन ग्रामीण औद्योगिक पार्क के अधोसंरचना एवं संचालन के सम्बंध में जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर विजय दयाराम और सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सचिव अंकित आनन्द ने जिले के बकावंड विकासखण्ड अंतर्गत मंगनार ग्रामीण औद्योगिक पार्क में मुरमुरा यूनिट, मिट्टी के बर्तन इकाई, दोना-पत्तल, पेपर कप और मसाला एवं अचार उत्पादन इकाई का अवलोकन किया तथा कच्चा माल की आपूर्ति,उत्पादन पश्चात विक्रय के सम्बंध में पूछा। इस दौरान मुरमुरा उत्पादन से जुड़े महिला समूह के सदस्यों ने बताया कि वे वर्तमान में कोण्डागांव से उसना चावल लाकर मुरमुरा तैयार करते हैं और स्थानीय बाजार में प्रत्येक माह 30 हजार रूपए तक का विक्रय कर रहे हैं। वहीं मिट्टी के बर्तन उत्पादन में लगे उद्यमी दीनबंधु नागवानी ने बताया कि वे स्थानीय तौर पर नयाखानी, दीपावली, दियारी त्यौहार और शादी-ब्याह के सीजन में हर महीने 20 से 30 हजार रूपए का विक्रय करते हैं। अभी वर्तमान में 5 से 6 हजार रूपए का ही बेच रहे हैं। दोना-पत्तल एवं पेपर कप उत्पादन करने वाले महिला समूह के सदस्यों हेमलता कश्यप व नीलिमा देवांगन ने बताया कि गत वर्ष करीब ढाई लाख रुपए का सामान विक्रय किये। इस साल भी अब तक लगभग 40 हजार रुपए की सामग्री विक्रय किये हैं। सचिव अंकित आनन्द ने इस मौके पर गौठान में वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने वाली महिला समूह के सदस्यों तथा सरपंच एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

सचिव अंकित आनन्द अपने प्रवास के दौरान जगदलपुर विकासखण्ड के तुरेनार ग्रामीण औद्योगिक पार्क में दोना-पत्तल, पेपर प्लेट और पोहा यूनिट,धूपबत्ती एवं अगरबत्ती उत्पादन इकाई, पेपर बैग-वूलन बैग इकाई, चावल एवं दाल उत्पादन इकाई, मसाला एवं अचार इकाई, लघु धान्य कोदो-कुटकी एवं रागी प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर सम्बन्धित महिला समूहों से चर्चा की। इस मौके पर रेशम धागाकरण इकाई में बताया गया कि वर्ष 2023-24 में 19 लाख रुपए का धागा चाम्पा-जांजगीर और दिल्ली के व्यवसायियों को विक्रय किया गया।

सूने मकानों पर चोरों की नजर, दुर्ग में तोड़ा ताला, डायमंड समेत लाखों की चोरी

दुर्ग। भिलाई नगर थाना क्षेत्र के रुआंबाधा स्थित एनएसपीसीएल कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। जहां अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर डाली। चोरों ने कोलॉनी के दो सूने मकानों में ताला तोड़कर घुसे। एक मकान से 350 ग्राम सोना, 2 किलो चांदी, डायमंड की अंगुठी समेत 25 हजार नकद चोरी कर ले गए। गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर चोरों ने 24 लाख रुपए की चोरी को घटना को अंजाम देकर फरार हो गए।

वहीं दूसरे मकान में कितने की चोरी हुई है। इसका खुलासा मकान मालिक के आने पर होगा। चोरों की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। भिलाई नगर थाना प्रभारी राजकुमार लहरे ने बताया कि एनएसपीसीएल कॉलोनी ब्लाक-सी/5 क्वाटर-8 निवासी एटीपीसी सेल पावर कंपनी लिमिटेड के सिनियर मैनेजर मयुरेश मोनल (37 वर्ष) ने चोरी शिकायत दर्ज कराई है। कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। 14 जून को अपने परिवार के साथ हैदराबाद घुमने गए थे। 17 जून को पड़ोसी निशांत जैन ने फोन पर उन्हें जानकारी दी। घर का दरवाजा खुला है। प्रार्थी मयुरेश को जैसे चोरी की वारदात की सूचना मिली। तत्काल फ्लाइट से परिवार के साथ रायपुर पहुंचे। शाम को जब अपने घर पहुंचे तो घर की दशा देख होश उड़ गए। अलमारी में रखा पुरा सामान कपड़े सब बिखरे पड़े थे। घर में रखे सभी अलमारी के दरवाजे खुले पड़े थे। अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी 25 हजार रुपए नहीं था। प्रार्थी के द्वारा पुलिस के सामने आलमारियों को चेक किया। सोने की अंगूठी, कान बाली, चूड़ी, चेन, लॉकेट, नेकलेस, मंगकसूत्र, ब्रेसलेट, सिक्के, नथ, मांग टिका वजन 350 ग्राम, चांदी के जेवर में पायल, नेकलेस, सिक्के, नोट, बिछिया,कमर बंध, मोती लोकेट के साथ, चम्मच, कटोरी, ग्लास, दिया, मछली, हाथी, बासुरी, लोटा वजन 2 हजार ग्राम, डायमण्ड की अंगूठी, टॉप्स और 25 हजार रुपये नकद समेत कुल 24 लाख की चोरी हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री शर्मा ने अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र

रायपुर। उप-मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्य प्रणाली में उर्दू, फारसी के शब्दों को हटाकर इनकी जगह सरल हिंदी शब्द जोडऩे के लिए राज्य के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी लिखा-पढ़ी और बोलचाल में उर्दू, फारसी के शब्दों की जगह सरल हिंदी शब्दों का प्रयोग करे, ताकि आम जनता या पीड़ित को पुलिस की कार्यप्रणाली समझ आए। गृह मंत्री श्री शर्मा ने कहा है कि 1896 के समय से पुलिस विभाग में प्रयोग में लाए जा रहे कई शब्द आम लोगों की समझ में नहीं आते, इसलिए इन्हें बदलना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 24 साल बाद व्यापक जनहित यह अच्छी पहल होगी। हमारे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश की पुलिस ने अब अपनी कार्य प्रणाली में उर्दू के शब्दों का प्रयोग नहीं करने का निर्णय लिया है। वहां पुलिस की लिखा-पढ़ी और बोलचाल की भाषा में उर्दू, फारसी और अन्य भाषाओं के 69 शब्दों का प्रयोग बंद करके इनकी जगह हिंदी के शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है। यह अच्छा उदाहरण है।

कलेक्टर सिंह के निर्देश पर, ज़िले में अवैध रेत भंडारण पर हुई कार्रवाही

रायपुर। ज़िले में कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार आज मंदिर हसौद में तहसीलदार मंदिर हसौद की उपस्थिति में शासकीय भूमि पर किये गए 120 हाईवा अवैध रेत भंडारण पर की गई ज़ब्ती कार्यवाही। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने ज़िले में अवैध प्लॉटिंग, अतिक्रमण एवं अवैध खनिज पर रोक लगाते हुए क़ानूनी कार्यवाई करने के निर्देश दिये थे। उक्त कार्यवाही राजस्व अमला, खनिज विभाग एवं पुलिस टीम ने सयुक्त रूप से किया।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन की बैठक में गुणनिधि मिश्रा पुनः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक विगत दिनों लोधी रोड़, दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में माननीय राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा जी, चेयरमैन श्री शशिकांत शर्मा जी, वाइस चेयरमैन श्री सुखबीर शर्मा जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री के. सी. पाण्डेय जी की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के चेयरमैन शशिकांत शर्मा ने कहा कि अभी तक देश में केवल सात राज्यों में ही ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना की गई है। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों से मांग करेगी कि देश के सभी राज्यों में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड तथा परशुराम भवनों की स्थापना की जाए। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के चेयरमैन श्री शशिकांत शर्मा ने छत्तीसगढ़ प्रदेश संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा को स्मृति चिन्ह एवं नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ से उपस्थित प्रदेश महासचिव श्री सुनील ओझा एवं युवा अध्यक्ष श्री अविनय दुबे को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुणनिधि मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, महिला विंग अध्यक्ष नमिता शर्मा को आगामी तीन वर्षों 2024-2027 तक के लिए मनोनीत कर नियुक्ति पत्र जारी किया गया।

रायपुर जिले के सभी कार्यालय समय में खुले, रिकार्ड को रखें दुरूस्तः गौरव सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज रेडक्रास सभाकक्ष में आज समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी जिला स्तरीय कार्यालय, सब डिविजिनल कार्यालय तथा अन्य मैदानी कार्यालय सुबह अनिवार्य रूप से प्रातः 10 बजे खुले। उचित मूल्य दर की दुकान भी समय पर खोलें और हितग्राहियों को राशन देना सुनिश्चित करें साथ ही किसी भी स्थिति में शिकायत नही आनी चाहिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप एवं सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि सभी अनुविभाग एवं जनपद स्तर के कार्यालय अलर्ट रहें और किसी भी प्रकार की घटनाओं पर नजर रखें और ऐसी स्थिति होने पर मैदानी अमले पंचायत सचिव एवं पटवारी के माध्यम से सूचना प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जनपद कार्यालय और उसके अंतर्गत आने वाले सभी पंचायत अपने रिकार्ड दुरस्त रखें, ताकि हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ सही ढंग से मिल सके। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव संबंधित पंचायत में जन्म-मृत्यु होती है तो उसका रिकार्ड अपडेट करें, ताकि पेंशन इत्यादि के प्रकरणों में उचित व्यक्ति को उसका लाभ मिले।

प्रदेश स्तरीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह 14 जुलाई को

रायपुर। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति छत्तीसगढ द्वारा 14 जुलाई को वृंदावन हॉल सिविल लाइंस रायपुर में शाम 4 बजे से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित है। उपरोक्त कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के ऐसे बच्चे जो सत्र 2024 के दसवी एवम बारहवी बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए है के सम्मान किया जाएगा। ऐसे बच्चो के माता पिता नीचे दिए हमारे पदाधिकारियों के नंबर में संपर्क कर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। (रजिस्ट्रेशन करवा के उपस्थित नही होने पर 500 रुपये फाइन)। इच्छुक लोग 9827110021, 7049090502, 7697283276, 9340641721, 9713027227, 9893218277 कर सकते हैं। वांछित जानकारी निम्न फॉर्मेट में मार्कशीट के फोटो कॉपी सहित प्रदान करे।

भाजपा जांच दल ने अग्निकांड मामले का

बोले- हिंसा भड़काने का षड्यंत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने बलौदाबाजार अग्निकांड मामले की जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय जांच दल बलौदाबाजार पहुंचा। जांच दल के संयोजक दयालदास बघेल, सदस्य टंकराम वर्मा, शिवरतन शर्मा, नवीन मार्कण्डेय, रंजना साहू ने गिरौदपुरी से पांच किलोमीटर दूर अमरगुफा (महकोनी) में स्थित जैतखाम के क्षतिग्रस्त किए जाने और जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट व एसपी दफ्तर में हुई आगजनी, तोड़फोड़ और पीड़ितों से मुलाकात की और घटना से जुड़े आवश्यक पहलुओं पर गंभीरता से अध्ययन और संबंधित लोगों से चर्चा की।

भाजपा जांच दल ने प्रारंभिक जांच में पाया कि इतनी बड़ी संख्या में दूर-दूर से आए लोगों की आने-जाने और खाने की व्यवस्था में विपक्ष की भी भूमिका है, जो आगे और जांच उपरांत स्पष्ट हो जाएगी। जांच दल ने यह भी पाया कि अभी तक जो कार्रवाई चल रही है, वह सही दिशा में है। इसके आगे और जो भी पहलू सामने आते जायेंगे, उन पर भी शासन-प्रशासन नजर बनाए हुए हैं और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जांच दल ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्दोष लोगों को किसी प्रकार की कोई तकलीफ ना हो पाए साथ ही जिनका भी व्यक्तिगत नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए अधिकारियों से बात भी की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तथ्य इस और इशारा कर रहे हैं कि सुनियोजित प्रकार से हिंसा भड़काने का षड्यंत्र रचा गया है। इसके लिए असामाजिक तत्वों का सहारा लिया गया है। जांच दल ने पाया समाज इस षड्यंत्र में उजागर होते चेहरे को पहचान चुका है वह उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है।

जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी

बलौदाबाजार भाटापारा जिला प्रशासन ने सभी जिले वासियों से अवैधानिक,गैर कानूनी अथवा लोक शांति भंग करने वालों की जानकारी कंट्रोल रूम में देने की अपील की है। अपील में कहा गया है कि ग्राम पंचायत, नगर पंचायत या नगर पालिका क्षेत्र में कोई भी समूह या संगठन अवैधानिक, गैरकानूनी या लोक शांति को भंग करने की दृष्टि से कोई रणनीति बना रहा हो या बैठक कर रहा हो तो उसकी जानकारी तत्काल जिला कंट्रोल रूम नंबर 94791-90629 में देवें। ताकि उनके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाई की जा सके। जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि आइए हम सब एक आदर्श नागरिक होने का परिचय देवे और अपने जिले को शांति,सदभाव, सामाजिक समरसता और विकास की एक मिसाल बनाएं।

प्रयास के 33 छात्रों का आईआईटी में हुआ चयन

रायपुर। गांवों के युवाओं का अब सपना साकार होने लगा है। रायपुर के सड्डु स्थित प्रयास में तैयारी कर रहे 33 छात्रों ने जेईई मेंस एडवांस की परीक्षा में उत्तीर्ण कर आईआईटी में क्वालीफाई कर परचम लहराया है। युवाओं ने कड़ी मेहनत से एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। इससे उनका उत्साह दोगुना हो गया है। इन युवाओं का सपना है कि वे बेहतर संस्थान से शिक्षा लेकर गांवों की तरक्की कर आगे बढ़ाए। इनकी काउंसिल प्रक्रिया चल रही है. जल्द ही उन्हें अच्छे संस्थान आबंटित हो जाएंगे। चयनित युवाओं ने राज्य शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मानपुर-मोहला जिले के भर्रीटोला गांव के निवासी श्री कुलदीप कुमार ने कैटेगरी रैंक में 459 वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से शासन द्वारा संचालित प्रयास कोचिंग संस्थान में अध्ययनरत है। साथ ही जेईई एडवांस परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। यहां शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिदिन 8 से 10 घंटे पढ़ाई की जाती रही है। श्री कुलदीप चाहते है कि खडगपुर आईआईटी संस्थान से मैकेनिकल ब्रांच में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर अच्छी संस्थान में जॉब करना चाहते है।

जशपुर के रूद्राक्ष भगत ने कैटेगरी रैंक में 825 वां स्थान हासिल किया है। वे कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की पढ़ाई करना चाहते है। उनका सपना है कि साफटवेयर इंजीनियर बनकर खुद की कंपनी बनाए। वे इस क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार देना चाहते है। जगदलपुर के दरभा के श्री शुभम कश्यप कहते है कि वे दूरस्थ क्षेत्र से है, उनकी बचपन से इच्छा थी कि अच्छा इंजीनियर बनकर प्रदेश की सेवा करें और अपने गांव के विकास में योगदान दें।

पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना पर कांग्रेस बोली-

रेल मंत्री इस्तीफा दे, मोदी राज में रेल यात्रा घातक

रायपुर। पश्चिम बंगाल के जलपाई गुड़ी में हुई रेल दुर्घटना पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मृतकों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना किया है। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र के भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दुनिया में सबसे सुरक्षित यात्रा मानी जाने वाली भारतीय रेल मोदी राज में असुरक्षित और घातक बन गयी है। पिछले 10 सालों में मोदी सरकार ने रेलवे को बर्बाद कर दिया है। दुर्घटना, लेटलतीफी, अचानक रद्द होना भारतीय रेल की नई पहचान बन चुकी है।

शुक्ला ने तंज कसते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के जलपाई गुड़ी रेल दुर्घटना रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही दिख रही है। एक ही ट्रैक में दो ट्रेनों के आने के चलते गंभीर रेल हादसा हुआ है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को रेल मंत्रालय के द्वारा बरती गई लापरवाही गैर जिम्मेदाराना रवैया की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मसला है और इस पूरे हादसे की बारीकी से जांच होनी चाहिए। जितने भी लोग इस घटना के लिए दोषी है उन सब पर भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा जो रेल के लिए कवच बनाया गया था जिसमें दावा किया गया था कि 2 ट्रेनें अगर आमने सामने होगी तो कवच उसकी सुरक्षा करेगी वह कवच कहां है? क्या आम जनता को भरमाने के लिए ही इस प्रकार से दावा किया गया जिन ट्रेनों में हादसा हुई क्या उन ट्रेनों में कवच नहीं लगाया गया था? नरेंद्र मोदी देश की जनता को जवाब देना चाहिए 10 सालों में रेल हादसे में 400 से अधिक लोगों की जानें गई है, 2000 से अधिक लोग घायल हुए हैं, राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान अलग हुआ इसकी नैतिक जिम्मेदारी भी नरेंद्र मोदी की है।

सुशील आनंद ने कहा कि आजादी के बाद से देश की जनता की सेवा कर रहे भारतीय रेलवे को मोदी सरकार ने 10 साल में बर्बाद कर दिया। मोदी सरकार की निजीकरण की चाहत ने रेल को पटरी से उतार दिया है। भारतीय रेलवे की पहली घटना है कि घटना के बाद पुनः उसी स्थान पर दूसरी घटना हो जाती है और यह सब रेल मंत्रालय की लापरवाही से चलते हुआ है। मोदी सरकार में रेल मंत्रालय निरंकुश हो गया है। आम जनता की सुरक्षा उनके सुविधा का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

सत्ता और पद लोलुपता होते हैं बीजेपी नेता, दीपक बैज बोले-

बृजमोहन अग्रवाल को मंत्री पद से बर्खास्त करें सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने पिछले दिनों सोमवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह को उन्होंने इस्तीफा सौंपा। हालांकि वो मंत्री पद पर छह महीने तक बने रहेंगे। अब इस मामले में विपक्ष ने सवाल उठाया है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बृजमोहन अग्रवाल को तत्काल बर्खास्त करें?

अग्रवाल सांसद का चुनाव जीतने के बाद विधायक पद से इस्तीफा दे दिये हैं। नैतिकता का तकाजा है कि वो विधायक के साथ ही मंत्री पद से भी इस्तीफा दे देते, लेकिन उन्होंने मंत्री पद के लालच में सारी नैतिकताओं को किनारे कर दिया। संवैधानिक प्रावधानों की आड़ लेकर मंत्री पद पर बने रहना सही नहीं है। इससे सिद्ध होता है कि बीजेपी नेता सत्ता और पद लोलुपता होते हैं। सत्ता में बने रहना ही उनके लिये सब कुछ होता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज ने कहा कि कांग्रेस राज्यपाल से भी मांग करती है कि यदि बृजमोहन मंत्री पद से खुद इस्तीफा नहीं देते है या मुख्यमंत्री उनको नहीं हटाते हैं तो राज्यपाल स्वयं उनको मंत्री पद से बर्खास्त कर एक नजीर प्रस्तुत करें। राज्य में संवैधानिक नैतिकता की रक्षा का दायित्व राज्यपाल के पास ही है। राज्य की जनता उनसे अपेक्षा कर रही है कि वो बृजमोहन को तत्काल बर्खास्त करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कोई सांसद पद पर तत्काल निर्वाचित व्यक्ति यह कहकर मंत्री पद नहीं छोड़ रहा है कि वह छह महीने तक मंत्री बना रह सकता है। यह सब बीजेपी में ही संभव है। भाजपा और मुख्यमंत्री बताये कि क्या वह भी अग्रवाल के इस निर्णय के साथ है या राजनैतिक सुचिता को देखते हुये मुख्यमंत्री उन्हें बर्खास्त करेंगे।

बैज ने कहा कि कोई व्यक्ति बिना विधानमंडल का सदस्य रहते हुये भी छह महीने तक मंत्री पद धारित कर सकता है। उसे छह महीने के अंदर सदन का सदस्य निर्वाचित होना होता है, लेकिन बृजमोहन के मामले में स्थितियां अलग हैं। उन्होंने सांसद निर्वाचित होने के बाद विधायक पद से इस्तीफा दिया है। यहां पर छह महीने के अंदर सदस्य के निर्वाचन की अपेक्षा वाली बात लागू नहीं होती है। ऐसे में संवैधानिक प्रावधानों की आड़ लेकर मंत्री पद पर बने रहना उचित नहीं है।

जनता के काम आऊं यही मेरी कोशिश : बृजमोहन

■ धरसीवां, खरोरा, कुरा, तिल्दा-नेवरा में विजय आभार यात्रा

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने धरसीवां, कुरा, खरोरा, तिल्दा नेवरा में विजय आभार यात्रा निकाली। यात्रा की शुरुआत धनेली से हुई। इस दौरान लोगों ने विजय आभार यात्रा का जगह जगह-जगह स्वागत किया। इस मौके पर बृजमोहन ने जनता से कहा कि लोकसभा चुनाव में मिली जीत उनकी नहीं क्षेत्र की जनता की जीत है। जिनके प्यार और आशीर्वाद से रायपुर का देशभर में नाम हुआ है। आज वो जो कुछ भी हैं जनता के आशीर्वाद से हैं। वो हमेशा जनता के काम आएं, यही उनकी कोशिश रहेगी।

आभार यात्रा दिलबाग ढाबा, सिलतरा मेन रोड, धरसीवां मेन रोड होते हुए कूरा पहुंची। सांसद ने बाजार चोक में जनता को संबोधित किया। इसके बाद में कपसदा, रैता, कुथरेल ,सिलियारी, सारागांव यहां से खरोरा में करिया दामा चौक, सुभाष चन्द्र बोस चौक, मेन रोड खरोरा, गायत्री मंदिर,

केसला मेन रोड, दीनदयाल उपाध्याय चौक पहुंचे। यहां से आभार यात्रा तिल्दा पहुंची । प्रवेश द्वार पर स्वागत हुआ। यहां से खूबचंद बघेल चौक, अग्रवाल आभूषण, राज टॉकीज, पं. दीनदयाल उपाध्याय चौक, स्टेशन चौक, राधा कृष्ण मंदिर, अग्रवाल आभूषण, वेलकम डेली नीड्स, पंजवानी निवास, सिंधी पंचायत, बैंक ऑफ इंडिया, राजेश ट्रेडर्स, अग्रेसन चौक, हेमू कालानी चौक, कैलाश राइसमिल निवास, परशुराम भवन, गांधी चौक पर विजय आभार यात्रा का समापन हुआ। विजय आभार रैली में धरसीवां विधायक अनुज शर्मा, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, अशोक बजाज समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

योग दिवस की तैयारियां हुई प्रारंभ

■ प्रभारी मंत्री जायसवाल होंगे बलोदाबाजार के मुख्य अतिथि

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियां आज से प्रारंभ कर दी गई है। इस सिलसिले में बलोदाबाजार - भाटापारा कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने सम्बंधित जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारी को शत प्रतिशत सुनिश्चित करनें के निर्देश दिए है।

श्री सोनी ने बताया की पूर्व की तरह ही नवीन मंडी परिसर में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमे जिले के प्रभारी प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा स्कूली बच्चे निर्धारित स्थल में पहुँचे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की है। मौके पर पेयजल, मेडिकल, जनरेटर, विघुत, पार्किंग, गद्दा, टाट पट्टी जैसे व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। इसके लिए विभागवार जिम्मेदारी तय कर दी है। जिसमे मुख्य रूप से मंच एवं साउंड सिस्टम लोक निर्माण विभाग, पेयजल एवं साफ सफाई नगर पालिका बलौदाबाजार, स्वल्पाहार खाद्य विभाग,पानी पीएचई, योग प्रशिक्षण आयुष, शिक्षा,एवं समाज कल्याण विभाग समन्वय कर एवं मंच संचालन शिक्षा विभाग शामिल है। गौरतलब है कि विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जायेगा। जिसमे अधिकारियों को सुबह 6.30 बजे तक उपस्थित होने के निर्देश दिए है।

जागो महापौर, वार्डों में पानी नहीं आ रहा, भाजपा पार्षदों ने बजाया नंगाड़ा

रायपुर। विरोध के अपने कई प्रतीकात्मक तरीके होते हैं ऐसा ही एक नुस्खा अपनाया भाजपा पार्षदों ने,शहर के कई वार्डो में इन दिनों भीषण जल संकट है और निगम की कार्यप्रणाली को देखकर लग रहा है कि वे जैसे मानसून का इंतजार कर रहे हैं। नगर निगम मुख्यालय में महापौर कक्ष के सामने बैठकर आज भाजपा पार्षदों ने नगाड़ा बजाकर जमकर नारेबाजी की। कुछ पार्षद थाली व मंजीरा भी बजाते नजर आए। रायपुर शहर में जल संकट को लेकर भाजपा पार्षद दल ने मंगलवार को महापौर एजाज ढेबर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बड़ी संख्या में भाजपा पार्षद महापौर कक्ष के बाहर नंगाड़ा बजाकर प्रदर्शन कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने कहा कि महापौर को कुंभकर्णीय नींद से जगाने के लिए यह करना पड़ रहा है। भाजपा पार्षद दल के प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे, मनोज वर्मा, सरिता आकाश दुबे, अमर बंसल, दीपक जायसवाल, मधु चंद्रवंशी व अन्य पार्षद धरने में बैठे थे। पार्षद ये भी बता रहे थे कि जल संकट कितना गंभीर है इसका अंदाजा शायद महापौर को नहीं है,जब खुद उनकी ही पार्टी के पार्षद धरना दे चुके हैं। फिर भी जनता की परवाह नहीं हैं। जनता सबक सिखायेगी।

सभी 70 वार्डों के नालों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश

केदार ने वर्षा पूर्व ननि की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने नगर निगम रायपुर के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर वर्षा पूर्व जल भराव तथा नालों के जाम से निपटने सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव क्षेत्रों का चिन्हांकन कर लिया गया है एवं बाढ़ आपदा से बचने हेतु नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी 70 वार्डों के नालों की साफ-सफाई हो जानी चाहिए। यदि जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो तो इससे निपटने के लिए भी आवश्यक तैयारी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि जोन के स्वास्थ्य

अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा जोन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर स्थिति के ऊपर नजर रखा जाए।

नगर निगम रायपुर के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि आपदा की स्थिति में सहायता के लिए 24 × 7 घंटे सेवा प्रदान करने के लिए आपातकालीन व्यवस्था की गई है। इसके लिए दूरभाष नंबर भी जारी किया गया है। दूरभाष नंबर 0771-2272101, 0771-2274101 जारी किया गया है। नगर पालिक निगम रायपुर की ज्वाईंट टीम तैयार कर ली गई है, जिसमें आपातकालीन व्यवस्था की गई है। बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का मुख्यालय मोटर कर्मशाला कार्यालय टिकरापारा पुलिस थाना के पास रायपुर में बनाया गया है। जिसके लिये नोडल अधिकारी नियुकत किये गये हैं। श्री विनोद पाण्डेय प्रभारी अधिकारी मोबाइल नंबर +91-9424264100 एवं लिंक अधिकारी श्रीमती डॉ. तृप्ति पाणीग्रही मोबाइल नंबर +91-9691285715 है। मोटर कर्मशाला में श्री प्रदीप यादव कार्यपालन अभियंता मो.नं. +91-9301953219 होंगे । अतिवृष्टि की स्थिति में समस्त जोन आयुक्त बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रभारी के रूप में कार्य करेंगे। निगम के अधिकारियों ने बताया कि आपदा से निपटने सभी आवश्यक सामाग्रियां (रेत के बोरे/ इक्वीपमेंट्स) मजदूरों की व्यवस्था की गई है। जो 3 पाली में जोन स्तर पर उपलब्ध रहेंगे। बाढ़ प्रभावित परिवारों के रहवास के लिये शालाओं का चयन कर लिया गया है, जहां प्रभावित पीड़ित परिवारों को रखा जाएगा। अतिवृष्टि होने पर सभी जोन में टूल्लू पंप के जरिये जलभराव से निपटने की व्यवस्था की गई है।

सभी नगरीय निकाय पानी के टंकी एवं नालों की सफाई सुनिश्चित करें : कलेक्टर सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने रेडक्रास सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली और विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी नगरीय निकाय के सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि उनके यहाँ पानी के टंकी की सफाई हो गई हो ताकि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मिले। बारिश में किसी भी प्रकार की महामारी या बीमारी ना फैले। इसका साथ ही टंकी सफाई के काम का प्रमाण पत्र प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी नालों-नाली की सफाई पूर्ण करलें ताकि जलभराव की स्थिति ना हो।

डॉ सिंह ने कहा कि आंधी-तूफान की स्थिति आने पर नगर निगम जिला पंचायत, विद्युत विभाग एवं अन्य अधिकारी फिल्ड में तत्काल निकलें और स्थिति पर नजर बनाएं रखें और किसी प्रकार की समस्या आने पर उसका समाधान करें। इससे नागरिकों को समय में राहत मिलेगी। कलेक्टर ने कहा कि एनजीटी ने 15 जून तक सारे रेत खदान बंद किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी रेत उत्खखन पाए जाने पर खनिज विभाग तथा अन्य संबंधित राजस्व अधिकारी तत्काल कार्रवाई करें। आबकारी विभाग ओवर रेट की शिकायत पर अविलंब कार्रवाई करें। पौधरोपण के लिए तैयारी करें और स्कूल शिक्षा सहित अन्य विभाग तत्काल जानकारी प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि खाद्-बीज के स्टॉक पर नजर् रखें और इसकी कमी ना होने दें। साथ ही स्वास्थ्य विभाग बारिश को मद्देनजन रखते हुए दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप एवं सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद उपस्थित थे।

विचारणीय हैं संघ प्रमुख की बातें

राम बहादुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने देश के राजनीतिक माहौल पर जो कहा है, मेरा मानना है कि हर व्यक्ति, जो लोकतंत्र के प्रति सचेत है और चाहता है कि हमारे देश में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हों, वह उनकी बात से सहमत होगा। इस चुनाव में वास्तव में ऐसी चीजें हुई हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। प्रचार के दौरान झूठ को बढ़ा-चढ़ाकर सच के रूप में पेश करने की कोशिश हुई। उदाहरण के लिए, राहुल गांधी अपनी सभाओं में संविधान की प्रति दिखाते हुए कहते थे कि संविधान खतरे में है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जो बहुत अनुभवी नेता हैं और मैं उनका बहुत आदर करता हूं, भी कह रहे थे कि अगर नरेंद्र मोदी जीत गये, अगर भाजपा जीत गयी, अगर एनडीए सत्ता में आयी, तो न संविधान बचेगा और न ही लोकतंत्र। यह भी कहा जा रहा था कि मोदी की जीत होने के बाद यह भारत का आखिरी चुनाव होगा। मेरी दृष्टि में यदि दुनिया में भारत की सबसे बड़ी पूंजी कुछ है, तो वह हमारा संविधान और लोकतंत्र ही है। इनके बारे में लोगों के मन में गंभीर संदेह पैदा कर क्या संदेश देने की कोशिश की जा रही थी, इसके पीछे मंशा क्या थी, ये कुछ बड़े सवाल हैं। यह स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दो बातें हासिल कर रहा है- राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक उन्नति। तो क्या लोकतंत्र और संविधान पर खतरे पर आधारित प्रचार अभियान इन उपलब्धियों को बाधित करने की कोशिश नहीं मानी जानी चाहिए! यह भी देखा गया कि विपक्ष के प्रचार को देश-विदेश में बैठे लोग यूट्यूब समेत विभिन्न सोशल मीडिया मंचों से बढ़ा-चढ़ाकर आगे बढ़ा रहे थे। मैं समझता हूं कि मोहन भागवत का एक संकेत ऐसी प्रवृत्तियों की ओर है। दूसरी तरफ, लोकसभा चुनाव के दौरान सत्तारूढ़ दल की ओर से प्रतिक्रिया में जो बातें कही गयीं, वैसी बातें कहने से परहेज किया जाना चाहिए था। यह भी संघ प्रमुख के संदेश में निहित है। एक प्रबुद्ध व्यक्ति और स्टेट्समैन के नाते भागवत जी ने जो कुछ कहा है, उम्मीद की जानी चाहिए कि उस पर राजनीतिक दलों के नेता विचार करेंगे तथा समाज भी समुचित ध्यान देगा। संघ प्रमुख की बातों में राजनीति के गिरते स्तर को लेकर चिंता भी अंतर्निहित है। मैं 1951-52 से लोकसभा चुनाव को देखता आ रहा हूं। यह पहला चुनाव है, जिसमें विमर्श का स्तर बहुत नीचे चला गया था। ऐसा होने की वजह यह है कि विपक्ष इस चुनाव को हाईजैक करना चाहता था। यह भी एक कारण रहा कि कांग्रेस का नेतृत्व वामपंथियों, या कहना चाहिए शहरी माओवादियों, के पूरे प्रभाव में है। कांग्रेस के नेतृत्व की कमान राहुल गांधी के हाथ में है और खरगे साहब चेहरा हैं। मुद्दे और एजेंडा राहुल गांधी तय करते हैं, जो उनके इर्द-गिर्द के लोग निर्देशित करते हैं। भारत में लोकतंत्र का विकास होना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र का हमारा अनुभव अच्छा रहा है। इसलिए संसदीय राजनीति जितनी स्वच्छ रहे, चुनाव जितने पारदर्शी हों, उसकी कोशिश की जानी चाहिए। इस संदर्भ में पहले की कुछ घटनाओं का संज्ञान लेना जरूरी है, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि आज ऐसा नकारात्मक माहौल कैसे पैदा हो गया है। साल 1971 में इंदिरा गांधी ने लोकसभा के मध्यावधि चुनाव कराये थे। उससे पहले आम तौर पर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे।

परिवारवादी दलों की ताकत

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनावों के दौरान परिवारवाद का विरोध करते रहे लेकिन जनता ने विपक्ष को इतनी ताकत दे दी कि सभी परिवारवादी दल चुनाव भी जीते और अब अपने राजनीतिक परिवारवाद को और आगे बढ़ाने लग गये हैं। इसी कड़ी में गांधी परिवार ने राजनीतिक परिवारवाद को आगे बढ़ाते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा को भी चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। वर्ष 2019 में सक्रिय राजनीति में आने के बाद से प्रियंका गांधी वाड्रा के कभी अमेठी, तो कभी रायबरेली और यहां तक की वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को लेकर समय-समय पर अटकलें लगाई जाती रहीं, लेकिन कांग्रेस के उन्हें वायनाड सीट से उपचुनाव में मैदान में उतारने की घोषणा के बाद अब इन पर विराम लग गया है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने सोमवार को फैसला किया कि राहुल गांधी रायबरेली के सांसद बने रहेंगे और वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। राहुल ने 2019 में वायनाड से पहली बार आसानी से जीत हासिल की थी, जब उन्हें परिवार के गढ़ अमेठी में हार का सामना करना पड़ा था। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में राहुल ने फिर से वायनाड से चुनाव लड़ा, लेकिन अमेठी छोड़कर रायबरेली चले गए। हालिया आम चुनाव में, राहुल गांधी ने वायनाड में 64.7 प्रतिशत वोट हासिल करके अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की एनी राजा को 3.64 लाख मतों के अंतर से हराया था। भाजपा उम्मीदवार के. सुरेंद्रन 1.3 लाख वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

जहां तक प्रियंका की बात है तो अमेठी, रायबरेली और वाराणसी संसदीय सीट से उम्मीदवारी की चर्चा के बाद 52 वर्षीय प्रियंका अंततः केरल के वायनाड से चुनावी राजनीति में पदार्पण करेंगी। उल्लेखनीय है कि केरल एक ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस ने 2019 के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रियंका गांधी ने सोमवार को (वायनाड से) अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कहा, मुझे जरा भी घबराहट नहीं है... मैं बहुत खुश हूं कि मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि मैं उन्हें (वायनाड की जनता) उनकी (राहुल की) अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी... मेरा रायबरेली से अच्छा नाता है, क्योंकि मैंने वहां 20 साल तक काम किया है और यह रिश्ता कभी नहीं टूटेगा।

हम आपको बता दें कि सक्रिय राजनीति में आने के बाद जनवरी 2019 में उन्हें महत्वपूर्ण पूर्वी उत्तर

प्रदेश का प्रभारी महासचिव बनाया गया और फिर पूरे राज्य का प्रभारी महासचिव बनाया गया। हालांकि 2019 के चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन प्रियंका ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के अपने प्रयास जारी रखे। दिसंबर 2023 में, प्रियंका को ''बिना पोर्टफोलियो'' के महासचिव बनाया गया और वह कांग्रेस की प्रमुख रणनीतिकार और बाद में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की स्टार प्रचारक के रूप में उभरीं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने में भी मदद की और हिमाचल प्रदेश में पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया और राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने में मदद की। उनके प्रचार अभियान ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीट जीतने में मदद की। वहीं, 2019 में यह आंकड़ा 52 था।

हम आपको बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा ने हालिया लोकसभा चुनाव से पहले अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा कई बार जतायी थी। लेकिन सीट से परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारा गया, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी को हराया। यदि प्रियंका गांधी लोकसभा उपचुनाव जीत जाती हैं, तो यह पहली बार होगा कि सोनिया, राहुल और प्रियंका तीनों एक साथ संसद में होंगे। सोनिया गांधी फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। देखा जाये तो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के आश्चर्यजनक रूप से अच्छे प्रदर्शन के साथ, प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के एक करिश्माई नेता के रूप में अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली है।

प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनावी राजनीति में पदार्पण पर राजनीतिक विश्लेषकों की राय की बात करें तो आपको बता दें कि ''24 अकबर रोड ए शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ द पीपल बिहाइंड द फॉल एंड राइज ऑफ द कांग्रेस'' सहित कई किताबें लिखने वाले रशीद किदवई ने कहा, ''कांग्रेस लंबे समय से एक प्रभावी प्रचारक की तलाश में थी और 2024 के चुनाव में प्रियंका गांधी ने जिस तरह से मोदी को जवाब दिया है, उससे वह बड़े विकल्प के तौर पर उभरी हैं। प्रियंका गांधी ने दिखाया कि मोदी का मुकाबला किया जा सकता है और उन्होंने पूरे भारत में कांग्रेस के लिये चुनाव प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसके अलावा, राजनीतिक टिप्पणीकार और कांग्रेस के पूर्व नेता संजय झा ने प्रियंका गांधी को शानदार प्रचारक बताया। उन्होंने कहा, मोदी के कटाक्षों का तीखा और त्वरित जवाब देकर उन्होंने प्रचार के दौरान कमाल कर दिया। उनकी मौजूदगी जादुई रही है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन ने 543 में से 234 सीट जीतीं, जबकि 99 सीट जीतकर कांग्रेस विपक्षी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस चुनाव अभियान में जोरदार वापसी करती दिखी और प्रियंका ने मोदी और भाजपा के अन्य नेताओं के लगातार हमलों का मुकाबला करने में अहम भूमिका निभायी। प्रधानमंत्री मोदी के सोने और मंगलसूत्र वाले बयान पर पलटवार करते हुए भावुक प्रियंका ने मतदाताओं को याद दिलाया था कि उनकी मां सोनिया गांधी ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र बलिदान कर दिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 2014 और 2019 के चुनावों की तुलना में, हालिया लोकसभा चुनाव में पार्टी को संसद में मजबूत स्थिति में पहुंचाने के बाद वायनाड से उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है।

हम आपको याद दिला दें कि हालिया लोकसभा चुनाव में, अपने बचपन, पिता राजीव गांधी की हत्या के दर्द और मां के दुख पर चर्चा करते हुए उन्होंने कांग्रेस के अभियान की कमान संभाली, पारिवारिक संबंधों और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा के बीच कुशलता से संतुलन बनाए रखा और एक रणनीतिकार, वक्ता और भीड़ को आकर्षित करने वाली नेता साबित हुईं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में 108 जनसभाएं और रोडशो किये। उन्होंने 16 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रचार किया और अमेठी और रायबरेली में कार्यकर्ताओं के दो सम्मेलनों को भी संबोधित किया। उनके अधिकांश भाषण भीड़ से संवाद करने जैसे थे, जो लोगों से जुड़ाव स्थापित करते थे और लोगों को यह आभास देते थे कि यह कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसे वे जानते हैं, कोई ऐसा है, जो उनके साथ अपनी भावनाओं और विचारों को साझा कर रहा है। देश भर में उनके चुनावी भाषणों में जवाबदेही का लगातार उल्लेख हुआ। प्रियंका ने लोगों से धर्म और जाति के आधार पर भावनात्मक मुद्दों पर वोट न करने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए रोटी-रोज़ी के मुद्दों पर वोट करने की अपील की।

जहां तक प्रियंका के वायनाड से चुनाव लड़ने के मुद्दे पर आ रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बात है तो आपको बता दें कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की नेता एनी राजा ने कहा है कि देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में यह आवश्यक था। उन्होंने कहा, ''मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में राहुल गांधी जैसे प्रमुख नेता के लिए हिंदी पट्टी में काम करना जरूरी है। इसलिए, इस फैसले में कुछ भी गलत नहीं है।'' उन्होंने कहा, यह जानकर खुशी हुई कि कांग्रेस पार्टी ने उपचुनाव में एक महिला को मैदान में उतारने का फैसला किया है। पिछली लोकसभा की तुलना में इस बार लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम हुआ है। इसलिए, मैं चाहती हूं कि अधिक महिलाएं आएं।

वहीं कांग्रेस की केरल इकाई ने प्रियंका गांधी का वायनाड में स्वागत किया और विश्वास जताया कि वह आगामी उपचुनाव में इस निर्वाचन क्षेत्र में रिकॉर्ड मतों के अंतर से जीत हासिल करेंगी। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा, ''राहुल और पार्टी प्रियंका को उम्मीदवार बना रहे हैं, जो वायनाड में और भी अधिक लोकप्रिय हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि वायनाड लोकसभा सीट के लिए आगामी उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करके वह पूरे राज्य की चहेती बन जाएंगी। उधर, वायनाड लोकसभा सीट पर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने आगामी उपचुनाव में प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संसद में उनकी उपस्थिति से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और मजबूत होगा। हम आपको बता दें कि आईयूएमएल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ में एक प्रमुख भागीदार है। दूसरी ओर, भाजपा की केरल इकाई के प्रमुख के. सुरेन्द्रन ने राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के फैसले का मजाक उड़ाया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी राज्य को एक राजनीतिक 'एटीएम' समझ रही है। भाजपा ने साथ ही मुख्य विपक्षी पार्टी पर ''परिवारवाद की राजनीति'' में लिप्त होने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनवाला ने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने और उनकी बहन के वहां से चुनाव लड़ने के फैसले के बाद आज यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि परिवार की एक कंपनी है।''

भारतीय ज्ञान परंपरा....

सुबालोपनिषद् (भाग-13)

गतांक से आगे...

यह शिशु नाड़ी श्येन की ओर गमन करती है, इस कारण वह श्येन में ही लय होती है, यह श्येन, विज्ञान की तरफ गमन करता है, इस कारण से यह विज्ञान में ही विलीन हो जाता है तथा यह विज्ञान, तुरीय के प्रति गमन करता है, इस कारण से यह मृत्युरहित, भयरहित, अशोक, अनन्त एवं अबीज तुरीयावस्था को प्राप्त होता है।

ऐसा कहने के उपरान्त उन्होंने फिर कहा कि) जो बुद्धि को प्राप्त करता है, वह बुद्धि में ही विलीन हो जाता है। यह बुद्धि, जानने योग्य विषयों की ओर प्रस्थान कर जाती है, इस कारण यह जानने योग्य विषयों में ही विलीन हो जाती है। यह जानने का विषय, ब्रह्मा की ओर गमन कर जाता है, इसलिए यह ब्रह्मा में ही अस्त हो जाता है, यह ब्रह्मा सूर्या नाड़ी को प्राप्त करता है, इसलिए इसका विलय सूर्या में ही हो जाता है, यह सूर्या कृष्ण को प्राप्त करती है, इसलिए यह कृष्ण में ही विलीन हो जाती है, यह कृष्ण, विज्ञान को प्राप्त करता है, इसलिए इसका विलय विज्ञान में ही हो जाता है और यह विज्ञान, तुरीय को प्राप्त हो जाता है, इस कारण यह मृत्युरहित, भयरहित, अशोक, अनन्त एवं अबीज तुरीयावस्था को ही प्राप्त करता है।

(इस प्रकार कहने के पश्चात् उन महर्षि ने कहा कि) जो अहंकार को प्राप्त करता है, वह अहंकार में ही विलीन हो जाता है। यह अहंकार, कर्तृत्व्य को प्राप्त करता है, इसलिए यह कर्तृत्व्य में ही लय हो जाता है। यह कर्तृत्व्य, रुद्र को प्राप्त करता है, इस कारण इसका लय रुद्र में ही होता है, यह रुद्र, असुरा नाड़ी को प्राप्त करता है, इसलिए इस रुद्र का विलय असुरा नाड़ी में ही हो जाता है। यह असुरा नाड़ी श्वेत को प्राप्त करती है, अतः इस असुरा का विलय श्वेत में ही होता है।

क्रमशः ...

विश्व सिकल सेल दिवस

ललित कुमार

देशभर में हर साल 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस मनाया जाता है। इसको मानाने का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। सिकल सेल बीमारी सामान्यता उन लोगों में देखने को मिलती है जो अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, कैरिबियन द्वीप, मध्य अमेरिका, सऊदी अरब, भारत और भूमध्यसागरीय देशों जैसे- तुर्की, ग्रीस और इटली में रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मानें तो हर वर्ष करीब 3 लाख से अधिक बच्चे हीमोग्लोबिन बीमारी के गंभीर रूपों के साथ पैदा होते हैं, जिसमें थैलेसीमिया और सिकल सेल बीमारी शामिल है। दुनिया की करीब 5 प्रतिशत आबादी ऐसी है जो सिकल सेल बीमारी की स्वस्थ वाहक (हेल्दी कैरियर) है।

संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने साल 2008 में पहली बार वर्ल्ड सिकल सेल डे मनाने की शुरुआत की थी, ताकि इस बीमारी को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचान मिल सके। साथ ही इस बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ सके। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक रूप से 19 जून को वर्ल्ड सिकल सेल जागरूकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर दिया।

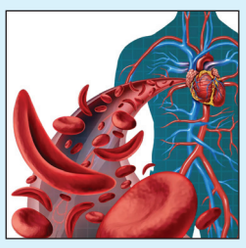

सिकल सेल खून से जुड़ी एक बीमारी है, जो शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करती है। यह बीमारी आमतौर पर पैरेंट्स से बच्चों में वंशानुगत मिलती है। आमतौर पर लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन होता है, लेकिन जिन लोगों को सिकल सेल बीमारी होती है उनकी लाल रक्त कोशिकाओं में ज्यादातर हीमोग्लोबिन एस होता है, जो कि हीमोग्लोबिन का असामान्य प्रकार है। इस कारण लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है और वे सिकल शेप (अर्धचन्द्राकार आकार) के बन जाते हैं। चूंकि सिकल के आकार वाली ये लाल रक्त कोशिकाएं छोटी-छोटी रक्त धमनियों से गुजर नहीं पातीं इसलिए शरीर के उन हिस्सों में बेहद कम खून पहुंचता है। जब शरीर के किसी ऊतक तक सामान्य खून नहीं पहुंचता तो वह हिस्सा क्षतिग्रस्त होने लगता है।

इस बीमारी के लक्षण बच्चे के जन्म के 5 या 6 माह बाद से ही दिखने शुरू हो जाते हैं। इस बीमारी के गिरफ्त में आने पर शरीर में दर्द, बैक्टीरियल संक्रमण होना, हाथों और पैरों में सूजन, दृष्टि संबंधी समस्याएं, हड्डियों को नुकसान, एनीमिया और प्यूबर्टी या प्रौढ़ता आने में देरी आदि लक्षण दिखते हैं।

डॉ. कैलाश सोनी के मुताबिक, इस बीमारी का समय रहते इलाज जरूरी है। इस बीमारी के इलाज में एंटीबायोटिक्स, इंट्रावीनस फ्लूइड, नियमित रूप से खून चढ़ाना और कई बार सर्जरी की भी जरूरत पड़ती है। अगर इस बीमारी की समुचित देखरेख की जाए तो सिकल सेल रोग को मैनेज किया जा सकता है। इस बीमारी के गिरफ्त में आने वाले बच्चे को जन्म के तुरंत बाद वैक्सीन दी जाती है। इनमें पेनीसीलियन प्रोफाइलैक्सिस और न्यूमोकॉकस बैक्टीरिया के लिए दिया जाने वाला टीका शामिल है। इसके अलावा फोलिक एसिड सप्लीमेंट भी दिया जाता है।

जी-7 में भरोसेमंद आवाज बन गया है भारत

अनिल त्रिगुणायत

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मेजबानी में 13 से 15 जून तक हुआ जी-7 शिखर सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब अहम बदलावों से गुजर रही दुनिया के सामने कई बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं। इनमें यूरोप और मध्य-पूर्व में जारी दो युद्ध विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं, जो जी-7 देशों- अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, इटली, जर्मनी, ब्रिटेन और जापान- की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। उदारवादी व्यवस्था बड़े दबाव में हैं, जिसके लगभग पतन के लिए इसके संस्थापक एवं समर्थक भी समान रूप से जवाबदेह हैं। बहुपक्षीय व्यवस्था एवं संस्थाओं को अनसुना कर ये देश एकतरफा फैसले लेते रहे हैं, मनमाने ढंग से आर्थिक एवं वित्तीय पाबंदियां लगायी जाती रही हैं तथा ऐसे उपाय किये जाते रहे, जिनका अनुपालन ये देश स्वयं भी नहीं करते हैं। यह कहा जाना चाहिए कि नये विकल्प के बीज बहुत हद तक इनके द्वारा ही बोये गये हैं। जी-7 की स्थापना 1975 में की गयी थी, जब 1973 के अरब-इस्राइल युद्ध और उसमें अमेरिका की भूमिका की वजह से अरबों ने तेल की आपूर्ति रोक दी थी और सामुद्रिक आवाजाही बाधित हुई थी, जिसके कारण बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को भारी झटका लगा था। पांच दशकों के बाद 50वीं बैठक के सामने भी कुछ उसी तरह की चुनौतियां रहीं, जो कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध तथा इस्राइल-हमास संघर्ष के कारण पैदा हुई हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध तथा इस्राइल-हमास संघर्ष बड़े क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकते हैं, जिनकी चपेट में आकर समूची दुनिया झुलस सकती है। परमाणु तबाही के बारे में बात करना आम चलन बन गया है तथा नये-नये घातक एवं स्वायत्त हथियारों को सामने लाया जा रहा है। साथ ही, चीन आज जी-7 समूह के लिए एक अस्तित्वगत चुनौती बन चुका है। चीन

के प्रभाव को रोकने की कोशिश में समूह द्वारा जो तौर-तरीके और उपाय अपनाये जा रहे हैं, उनके कारण रूस और चीन के बीच नजदीकी बढ़ती जा रही है, जो पश्चिम के वर्चस्वादी व्यवहार का प्रतिकार करने का प्रयास कर रहे हैं। इसीलिए ये दोनों देश अपने तरीके से एक नयी विश्व व्यवस्था का प्रचार कर रहे हैं, जिसमें बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रमुखता के बारे में कहा जा रहा है। ऐसा विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के बारे में कहा जा रहा है, जो खुद ही लाचार और बेहाल हो चुका है।

लेकिन इस वैकल्पिक व्यवस्था में ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और यूरेशिया क्षेत्र पर जोर देना एक वास्तविकता है। वर्तमान समय में जी-7 का पूरा ध्यान यूक्रेन में रूस के आक्रमण तथा अप्रत्यक्ष युद्ध से पुतिन को हराने पर है ताकि यह समूह अपने को बिखर रहे नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाले के रूप में स्थापित कर सके। शिखर बैठक के मुख्य अतिथि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को उन्नत हथियार देने का प्रावधान तथा जब्त रूस की संपत्ति में से 50 अरब डॉलर यूक्रेन को देने पर सहमति से पुनः राष्ट्रपति चुने गये पुतिन और भी अधिक आक्रामक होंगे। जब तक पश्चिम इस युद्ध में यूक्रेन को सहयोग करता रहेगा, स्थिति में बदलाव नहीं हो सकता है। गलती से अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन बोल गये कि आखिरी यूक्रेनी व्यक्ति के बचे रहने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

भू-राजनीतिक रूप से विभाजित शीत युद्ध के दूसरे संभावित संस्करण में जी-7 समूह एक खेमे के रूप में उभरा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भू-आर्थिक दृष्टि से नयी विश्व व्यवस्था में आर्थिक शक्ति के अनेक केंद्र होंगे। इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि पलड़ा पूर्व और दक्षिण की ओर झुका है, जिसमें भारत न केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, बल्कि पूर्व और पश्चिम तथा उत्तर और दक्षिण के बीच पुल निर्माता एवं ग्लोबल साउथ की एक भरोसेमंद आवाज के रूप में भी एक ठोस भूमिका निभायेगा। सिद्धांत आधारित विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता से भारत की शक्ति बढ़ी है, जिसमें 'भारत प्रथम' की सोच के साथ विश्व की भलाई एवं कल्याण की भावना प्रमुख तत्व है। उलझी-बिखरी व्यवस्था में इसकी अपनी सीमाएं हो सकती हैं, पर आशा का एक दीप बनने की नैतिक क्षमता भारत में है।

भारत एक तरह से जी-7 का अभिन्न अंग बन चुका है। इसे 11 बार सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पांच बार इसमें शामिल हो चुके हैं तथा उन्होंने प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त कर बैठकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका इटली दौरा पहली विदेश यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री मेलोनी के कार्यकाल में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए कोशिश कर रहे हैं। भारत-मध्य-पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों के हितों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, हालांकि इस्राइल-हमास संघर्ष की वजह से अभी इस मामले में प्रगति बाधित हुई है।

उल्लेखनीय है कि अफ्रीका, भू-मध्यसागर के क्षेत्र तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी जी-7 और भारत के बीच सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा नियमन, जलवायु परिवर्तन तथा उन्नत तकनीक से जुड़ी चुनौतियां भी हैं। समूची मानवता के फायदे के लिए इनका उपयोग सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। इन तकनीकों का गलत इस्तेमाल न हो, इसके लिए भी साझा प्रयासों की जरूरत है। इन कारणों से वैश्विक सहकार बहुत अहम हो जाता है, लेकिन बड़ी शक्तियों की आपसी खींचतान और तनातनी से ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। ऐसे में यह सवाल पैदा होता है कि क्या भारत एक संपर्क-सूत्र की भूमिका निभा सकता है।

भारत ने अपनी कूटनीतिक क्षमता, सार्वभौमिक कल्याण और चिंताओं का प्रदर्शन जी-20 की अध्यक्षता के दौरान बखूबी किया है, जिससे यह इंगित हुआ कि भारत दुनिया की भलाई के लिए सभी को साथ लेकर चलने का आकांक्षी है। सकल घरेलू उत्पादन के मामले में जी-7 समूह की चार बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भारत आगे निकल चुका है। इसके निरंतर विकास और विश्व में बड़ी भूमिका की कोशिश से वह अपने सिद्धांत-आधारित विदेश नीति को आगे बढ़ाने की स्थिति में है। साथ ही, वह रूस और अन्य देशों को यह भी कह सकता है कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' तथा संवाद एवं कूटनीति से ही शांति स्थापित हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान नेताओं से द्विपक्षीय वार्ता में वैश्विक शांति एवं सहकार के संबंध में भारत की सोच को सामने रखा। भारत की प्राथमिकता ग्लोबल साउथ की चिंता एवं हित हैं।

आज का इतिहास

1953 सोवियत संघ के लिए अमेरिकी जूलियस और एटहेल रोसेनबर्ग को जासूसों के रूप में निष्पादित किया गया था, जो अमेरिकी परमाणु हथियारों के रहस्य थे।
1961 कुवैत ने यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता की घोषणा की। यह 1899 और 1961 के बीच एक ब्रिटिश रक्षक था। आजादी के बाद, शेख अब्दुल्ला अल-सलीम अल-सबाह राजा बन गया।
1961 कुवैत ने यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता की घोषणा की।
1968 मार्टिन लूथर किंग के नेतृत्व में आर्थिक न्याय के लिए 50,000 लोगों ने प्रदर्शन किया।
1970 पेटेंट सहयोग संधि, एक अंतरराष्ट्रीय कानून संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो आविष्कारों की रक्षा के लिए पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए एक एकीकृत प्रक्रिया प्रदान करते थे।
1978 गार्फील्ड ने अपनी शुरुआत की। गारफील्ड, दुनिया के सबसे व्यापक रूप से सिंडिकेटेड कॉमिक स्ट्रिप के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के धारक, गारफील्ड नाम की एक मोटी एन आलसी बिल्ली, उसके मालिक जॉन और एक साथी पालतू कुत्ते ओडी की सुविधाएँ हैं। 2013 तक, यह दुनिया भर में लगभग 2,580 समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में सिंडिकेटेड था।
1978 अमेरिकन कार्टूनिस्ट जिम डेविस द्वारा बनाई गई गारफील्ड ने अपना डेब्यू किया, अंततः दुनिया के सबसे व्यापक सिंडिकेटेड स्ट्रिप्स में से एक बन गया।
1987 लुई चतुर्थ की फ्रांस के राजा के रूप में ताजपोशी हुई।
1991 हंगरी पर सोवियत का कब्जा समाप्त हो गया। सोवियत संघ द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इस पर कब्जा कर लिया गया था और यह कब्जा 45 वर्षों तक चला था। 1989 के क्रांतियों के उदय में, सोवियट सैनिकों ने हंगरी छोड़ना शुरू कर दिया और सोवियत सैनिकों के अंतिम समूह ने 19 जून 1991 को हंगरी छोड़ दिया।
1991 सोवियत संघ के अंत के बाद अंतिम लाल सेना के सैनिकों ने हंगरी छोड़ दिया।
1991 सोवियत संघ ने हंगरी को अपने कब्जे से आजाद किया था।
1994 अर्नेस्टो सेम्पर कोलंबिया के राष्ट्रपति बने।
1996 प्रसिद्ध अंपायर डिकी बर्ड एम.सी.सी. की आजीवन सदस्यता से सम्मानित।
2009 अफगानिस्तान-ब्रिटिश सेना में युद्ध ऑपरेशनपैन्टर का पंजा शुरू हुआ, जिसमें 350 से अधिक सैनिकों ने दक्षिणी अफगानिस्तान में हवाई हमले किए।

कठिन चुनौतियों के प्रति आगाह करने वाले बयान पर अनावश्यक बहस क्यों!

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव सहित महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर अपने जो विचार व्यक्त किए हैं उसके अलग अलग निहितार्थ खोजे जा रहे हैं और अपनी अपनी सुविधानुसार उनकी विवेचना की जा रही है । गौरतलब है कि मोहन भागवत ने अपने इस उद्बोधनमें लोकसभा चुनावों में विभिन्न दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप, चुनाव प्रचार में विलुप्त होती गरिमा और मर्यादा , सार्वजनिक जीवन में सद्कार्यों का अहंकार एवं मणिपुर में एक साल से जारी हिंसा आदि ज्वलंत मुद्दों पर अपने सकारात्मक विचार विचार व्यक्त किए थे। भागवत ने अपने इस उद्बोधन में इन सभी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे जिसके पीछे किसी को नसीहत देने की नहीं थी बल्कि सही दिशा दर्शन की सदभावना थी लेकिन यह नितांत आश्चर्य का विषय है कि भाजपा के इतर कुछ राजनीतिक दल मोहन भागवत के विचारों को केंद्र सरकार और उसकी मुखिया भाजपा के लिए कठोर नसीहत के रूप में देख रहे हैं तो कुछ अन्य राजनीतिक दलों को ऐसा महसूस हो रहा है कि मोहन भागवत के ये विचार भाजपा और संघ के बीच बढ़ती दूरियों के परिचायक हैं। यह भी कम हास्यास्पद नहीं है कि मोहन भागवत के हर बयान का छिद्रान्वेषण करने में विशेष दिलचस्पी दिखाने वाला एक वर्ग तो इस बयान की ऐसी व्याख्या कर रहा है मानों संघ और भाजपा के बीच तलवारें खिंच चुकी हैं और अब उनके बीच सुलह की कोई गुंजाइश नहीं बची है। दरअसल संघ और भाजपा का परंपरागत आलोचक जो वर्ग मोहन भागवत के इस बयान के पीछे भाजपा को सबक सिखाने की मंशा देख रहा है वह इस मामले को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की उस टिप्पणी से जोड़ कर देख रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा को अब संघ की जरूरत नहीं है। भाजपा अब राजनीतिक फैसले लेने में सक्षम है। जेपी नड्डा ने यह टिप्पणी लोकसभा चुनावों के दौरान एक अखबार को दिए गए साक्षात्कार में की थी और उसी समय से संघ और भाजपा के आलोचक इस प्रश्न को लेकर बेहद बेचैन थे कि जेपी नड्डा की इस टिप्पणी का कोई माकूल जवाब देने में संघ आखिर संकोच क्यों कर रहा है। नागपुर स्थित संघ के मुख्यालय में मोहन भागवत का उद्बोधन संघ और भाजपा के आलोचकों के लिए अतिरिक्त खुशी का कारण बन सकता है। यहां यह तो माना जा सकता है कि जे पी नड्डा को चुनाव के दौरान इस तरह की टिप्पणी करने से परहेज़ करना चाहिए था लेकिन मैं यह मानता हूं कि जे पी नड्डा ने उक्त टिप्पणी संघ परिवार का अनादर अथवा उपेक्षा करने की मंशा से कतई नहीं की थी।

संघ, सरकार, और भाजपा के परंपरागत आलोचकों

ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के उद्बोधन को नड्डा की टिप्पणी का जवाब मानकर एक अनावश्यक बहस को जन्म दे दिया है । संघ प्रमुख जब संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे तब उनके उद्बोधन में राष्ट्र के समक्ष मौजूद चुनौतियों और ज्वलंत मुद्दों का उल्लेख स्वाभाविक था लेकिन संघ प्रमुख ने अपने उसी उद्बोधन में उन चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने के लिए कुशल मार्गदर्शन भी किया था। इस उद्बोधन में बहुत सारे संदर्भ शामिल थे लेकिन आलोचकों ने इस उद्बोधन के अधिकांश हिस्से की व्याख्या कुछ इस तरह से की जैसे संघ प्रमुख मोदी सरकार और भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साध रहे हैं। सवाल यह उठता है कि संघ प्रमुख जब नागपुर के कार्यकर्ता विकास वर्ग में उद्बोधन दे रहे थे तो क्या उन्हें समकालीन संदर्भों को अपने उद्बोधन में शामिल नहीं करना चाहिए था। आखिर यह कैसे संभव हो सकता था। उनके उद्बोधन के केंद्र में व्यक्ति के चरित्र निर्माण से लेकर सम्पूर्ण राष्ट्र की सुख , समृद्धि और प्रगति की कामना थी। उसमें किसी की आलोचना का भाव नहीं था न ही किसी को सबक सिखाने की मंशा थी। दरअसल आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ प्रमुख के उक्त उद्बोधन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर उनके सुझावों से प्रेरणा लेते हुए उन पर अमल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जाए। संघ प्रमुख के सुझावों को सत्ता पक्ष और विपक्ष के संदर्भ में नहीं बल्कि व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है।

मोहन भागवत का यह विचार तो हर इंसान के लिए प्रेरणास्पद है कि वास्तविक सेवा मर्यादा से चलती है और जो उस मर्यादा का पालन करते हुए कर्म करता है उसमें यह अहंकार नहीं आता है कि यह कार्य मैंने किया। वही सेवक कहलाने का अधिकारी है। हमारे यहां अहंकार को मनुष्य का शत्रु माना गया है जो व्यक्ति के विकास को रोक देता है। अत: अहंकार के संबंध में मोहन भागवत का यह कथन नि:संदेह स्वागतेय है । लोकसभा चुनाव के संदर्भ में मोहन भागवत की यह बात सभी राजनीतिक दलों पर लागू होती है कि चुनावों में आरोप - प्रत्यारोप लगाते समय इस बात का पर्याप्त ध्यान रखा जाना चाहिए कि वह सामाजिक विभाजन का कारण न बने। संघ प्रमुख के इस कथन का विपक्ष को नि:संदेह स्वागत करना चाहिए कि लोकतंत्र में विपक्ष को विरोधी न मानकर प्रतिपक्ष के रूप में उसकी राय भी सामने आना चाहिए। संघ प्रमुख ने नागपुर में दिये गये उद्बोधन में मणिपुर में गत एक वर्ष से जारी हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस समस्या से प्राथमिकता के आधार पर निपटा जाना चाहिए।

संघ प्रमुख का यह कथन भी निश्चित रूप से रेखांकित किए जाने योग्य है कि कि पिछले दस सालों में बहुत सी सकारात्मक चीजें हुई हैं परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि हम चुनौतियों से मुक्त हो गये हैं। हम उन चुनौतियों से निपटने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग के प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में संघ प्रमुख का उद्बोधन राष्ट्र के समक्ष मौजूद चुनौतियों के प्रति उनके गहन चिंतन का परिचायक है। संघ प्रमुख अपने उद्बोधन में केवल समस्या की गंभीरता से भर अवगत नहीं कराते अपितु उनके उचित समाधान की राह भी दिखाते हैं। इसलिए हाल में ही नागपुर में दिए गए उनके उद्बोधन पर बिना किसी पूर्वाग्रह के सार्थक विमर्श किया जाना चाहिए। इससे उन चुनौतियों से निपटने का मार्ग प्रशस्त होगा जिन चुनौतियों का उल्लेख संघ प्रमुख ने किया है। उक्त उद्बोधन के पीछे संघ प्रमुख की मंशा भी यही है।

क्या यूरोप में बढ़ेगा राष्ट्रवाद का जोर

चंद्रभूषण

यूरोपीय संसद के चुनाव ऐसे तो बहुत ज्यादा चर्चा में नहीं होते लेकिन इस बार उसके चुनाव नतीजों पर उसी तरह बात हो रही है, जैसे किसी और महाशक्ति के आंतरिक चुनाव पर होती है। आलम यह है कि इसके असर में फ्रांस के आम चुनाव घोषित हो गए हैं और जर्मनी में भी इसकी मांग उठने लगी है। इस बदलाव का सबसे बड़ा कारण यह है कि यूरोप अभी एक ऐतिहासिक मोड़ से गुजर रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप का सबसे बड़ा युद्ध यूक्रेन की जमीन पर चल रहा है, जिसमें एक तरफ रूस है और दूसरी तरफ सारे नैटो देश। इस लड़ाई में एक तरफ धन की बर्बादी हो रही है, दूसरी तरफ तेल और गैस समेत बहुत सारे प्राकृतिक संसाधन, जिन पर यूरोप की संपदा निर्भर करती थी, रूस से आने बंद हो गए हैं। अगली बड़ी समस्या यह है कि पूरा मध्यपूर्व, जिसमें पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका शामिल हैं- लीबिया, सीरिया, इराक और लेबनान से लेकर अफगानिस्तान तक- पूरा इलाका अभी उजड़ा पड़ा है और वहां से बड़ी संख्या में लोग भागकर यूरोप जा रहे हैं। दसियों लाख लोग तुर्की और इटली के रास्ते यूरोप के शहरों में भर गए हैं। पेरिस और बर्लिन से लेकर मिलान और वारसा तक कई मशहूर शहर, जो सदियों से अपने सुंदर रखरखाव के लिए जाने जाते रहे हैं, अभी विशाल झुग्गी झोपड़ियों से कसे हुए नजर आ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि यूरोप का कम पढ़ा लिखा मैनुअल लेबर वाला तबका या तो बेरोजगार हो गया है या उसको बहुत कम मजदूरी पर काम करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी की शक्ल में जाहिर हो रहे इन दोनों मुद्दों को लेकर यूरोप में काफी गुस्सा है। दो यक्ष प्रश्न लोगों के सामने हैं- यूक्रेन की लड़ाई कब ठंडी पड़ेगी और विस्थापितों की वापसी का कुछ हो पाएगा या नहीं। दोनों मसले सबसे ज्यादा तीखे ढंग से फ्रांस, जर्मनी और इटली की अति राष्ट्रवादी पार्टियों ने उठाए हैं और यूरोपीय संसद के चुनाव में उनके वोट 2019 के मुकाबले डेढ़ से दो गुना हो गए हैं। इन नतीजों का एक संदेश साफ है कि यूक्रेन की लड़ाई में अधिक से अधिक कुर्बानी देने की अमेरिकी पुकार यूरोप में पहले से कम सुनी जाएगी। यूरोपीय संसद को समझना हो तो यह यूरोप के एकीकरण के सात स्तरों और कानून बनाने से जुड़े तीन स्तरों वाले ढांचे में एक है। सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद यूरोप समझ गया कि आपस में युद्ध का रास्ता उसे कहीं का नहीं छोड़ेगा। एकजुटता की कोशिशों के क्रम में अब से 71 साल पहले यूरोपियन पार्लियामेंट का गठन हुआ, हालांकि इसके लिए हर पांच साल पर होने वाले चुनाव 1979 से होने शुरू हुए। यह संसद एक त्रिस्तरीय व्यवस्था के बीच में पड़ती है। सबसे ऊपर यूरोपियन कमिशन है जो किसी मुद्दे पर कोई प्रस्ताव रखता है। यूरोपीय संसद उस पर बहस और वोटिंग करती है। अंत में राष्ट्रीय सरकारों के प्रतिनिधियों को लेकर गठित 27 सदस्यीय यूरोपियन काउंसिल अंतिम रूप से यूरोपीय संसद की राय को स्वीकारती है, नकारती है, उसमें कोई सुधार करती है या फिर उसका कोई सदस्य उसे वीटो कर देता है। यूरोपीय संसद में अभी 720 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में इसमें 705 सीटें थी। सबसे ज्यादा यूरोपीय सांसद जर्मनी से, फिर फ्रांस, इटली और स्पेन से चुनकर आते हैं। सबसे कम, छह-छह सीटें माल्टा और लक्जमबर्ग को मिली हुई हैं। यूरोपीय संसद में अलग-अलग मिजाज की पार्टियों को मिलाकर बने गुटों में ये सांसद बैठते हैं। इस बार के चुनाव नतीजों का एक और खराब पहलू यूरोपियन यूनियन के अधिकारों में कमी का दबाव बनने का है। इसकी वकालत करने वाली पार्टियों ने पहली बार लगभग एक चौथाई सीटें जीत ली हैं, जो उनके इतिहास का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इस्टैब्लिशमेंट की जो पार्टियां हैं, उनमें जर्मनी की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन जैसे मध्य-दक्षिणपंथी दलों ने सबसे ज्यादा 191 सीटें जीती हैं। उसके बाद 125 के लगभग सीटें सोशल डेमोक्रेट्स ने जीती हैं।

ब्रिटेन चुनाव में हिंदू मांगों का घोषणापत्र

शिवकांत

ब्रिटेन में संसद की 650 सीटों के लिए चार जुलाई को मतदान होना है। उम्मीदवार घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को 14 वर्ष की सत्ता विरोधी लहर पर सवार किएर स्टॉमर की लेबर पार्टी के साथ-साथ कंजर्वेटिव पार्टी के ही धुर दक्षिणपंथी खेमे से बनी रिफॉर्म पार्टी का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्टियां अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर रही हैं और एक-दूसरी की घोषणाओं की समीक्षा और आलोचना कर रही हैं। ब्रिटेन के हिंदू समुदाय ने भी पहली बार चुनावी वाद-विवाद के इस समर में कूदते हुए 32 पृष्ठों का एक घोषणापत्र जारी किया है। इसमें रखी गयीं सात मांगों में ब्रिटेन में हिंदू विरोधी नफरत या हिंदूफोबिया का संज्ञान लेना और उसकी रोकथाम करना तथा हिंदू मंदिरों की सुरक्षा प्रमुख हैं। यह घोषणापत्र 'हिंदूज फॉर डेमोक्रेसी' नामक संस्था ने जारी किया है, जो ब्रिटेन में सक्रिय स्वामीनारायण संस्था, चिन्मय मिशन और विश्व हिंदू परिषद जैसे 15 हिंदू संगठनों का परिसंघ है।

अभी तक ब्रिटेन का मुस्लिम समुदाय ही घोषणापत्र जारी कर अपनी राजनीतिक मांगे रखता आया है। उसकी मांगों में भी इस्लाम विरोधी नफरत या इस्लामोफोबिया का संज्ञान लेते हुए उसकी रोकथाम का संकल्प और भरोसा जीतने तथा राजनीतिक समावेश सुनिश्चित करने के लिए इस्लामी समुदाय के साथ सार्थक मेल-मिलाप प्रमुख हैं। ब्रिटेन की लगभग 500 मुस्लिम संस्थाओं और मस्जिदों का प्रतिनिधित्व करने वाली ब्रिटिश मुस्लिम परिषद की मांग है कि सभी पार्टियां इस्लामोफोबिया की उस परिभाषा को आधार बनाकर रोकथाम की नीतियां बनायें, जो 1917 की सर्वदलीय संसदीय समिति ने सुझायी थी। समिति की रिपोर्ट के अनुसार, मोटे तौर पर इस्लामोफोबिया ऐसा नस्लवाद है, जो इस्लामियत या इस्लामियत समझी जाने वाली अभिव्यक्ति को अपना निशाना बनाता है। विपक्ष की लेबर और लिबरल पार्टियों, वेल्स की प्लाइड कुमरी पार्टी, लंदन के महापौर और कई स्थानीय निकायों ने इस पर राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा होने से पहले ही परिभाषा को स्वीकार कर लिया। इस जल्दबाजी का प्रमुख कारण

मुसलमानों की राजनीतिक ताकत है, जो आबादी के साथ-साथ तेजी से बढ़ रही है। साठ के दशक के प्रारंभ में ब्रिटेन की मुस्लिम आबादी लगभग 50 हजार थी, जो अब लगभग 40 लाख हो चुकी है।

बरमिंघम के 30 प्रतिशत लोग मुस्लिम हैं और लंदन में मुस्लिम आबादी 15 प्रतिशत से अधिक है। ब्रैडफर्ड के एक और बरमिंघम के दो संसदीय क्षेत्रों की आधी या उससे ज्यादा आबादी मुस्लिम हो चुकी है। ब्रिटेन के 24 संसदीय क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत से अधिक है और 80 संसदीय क्षेत्रों में 10 प्रतिशत से अधिक। यह आबादी मुख्यत: लंदन तथा मध्य और उत्तरी इंग्लैंड के शहरी इलाकों में केंद्रित है, जहां उसके समर्थन के बिना चुनाव जीतना संभव नहीं है। ब्रिटेन के हिंदू समुदाय ने भी पहली बार चुनावी वाद-विवाद के इस समर में कूदते हुए 32 पृष्ठों का एक घोषणापत्र जारी किया है। इसमें रखी गयीं सात मांगों में ब्रिटेन में हिंदू विरोधी नफरत या हिंदूफोबिया का संज्ञान लेना और उसकी रोकथाम करना तथा हिंदू मंदिरों की सुरक्षा प्रमुख हैं। यह घोषणापत्र 'हिंदूज फॉर डेमोक्रेसी' नामक संस्था ने जारी किया है, जो ब्रिटेन में सक्रिय स्वामीनारायण संस्था, चिन्मय मिशन और विश्व हिंदू परिषद जैसे 15 हिंदू संगठनों का परिसंघ है।

कंजर्वेटिव पार्टी और सरकार ने अभी तक सर्वदलीय समिति की इस्लामोफोबिया की परिभाषा को स्वीकार नहीं किया है। सरकार का तर्क है कि यह परिभाषा इतनी व्यापक है कि इसकी आड़ लेकर इस्लामी आतंकवादियों, बच्चियों का यौन शोषण करने वाले ग्रूमिंग गिरोहों और समलैंगिकों व औरतों के अधिकारों का विरोध करने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों का बचाव किया जा रहा है। इसे स्वीकार करना पिछले दरवाजे से ईशनिंदा कानून पारित करना होगा, जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन होगा और सुधारक संस्थाओं का काम कठिन हो जायेगा। यही कारण है कि कंजर्वेटिव सांसद और पूर्व वित्त और गृहमंत्री साजिद जावेद तथा विपक्षी लेबर पार्टी के वरिष्ठतम मुस्लिम सांसद खालिद महमूद समेत लगभग 20 सामाजिक और मानवाधिकार संस्थाओं ने मिलकर सरकार से अपील की थी कि इस्लामोफोबिया की इस परिभाषा को स्वीकार न किया जाए। हिंदू घोषणापत्र में रखी गई हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हमलों की रोकथाम की मांग को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। देश के मुस्लिम समाज को यह चिंता है कि 11 सितंबर, 2001 के हमलों, इराक और सीरिया के युद्धों और हाल में हमास के हमले से शुरू हुई गाजा की लड़ाई के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर इस्लामोफोबिया फैल रहा है। हिंदू समाज को उस हिंदूफोबिया को लेकर चिंता है, जो हिंदू उत्सवों, कारोबारों और मंदिरों पर होने वाले हमलों और स्कूलों में हिंदू बच्चों को तंग करने के रूप में दिखाई देता है। मोदी सरकार बनने के बाद से कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की तरह ब्रिटेन में भी ऐसे हमले बढ़े हैं। हिंदू समाज को मध्य इंग्लैंड के लेस्टर शहर में दो साल पूर्व जिहादी तत्वों द्वारा की गयी मार-पीट और तोड़-फोड़ ने विशेष रूप से चिंतित और सजग किया है। ब्रिटेन में हिंदू आबादी सवा दस लाख है, जिनमें से लगभग आधे लंदन और उसके आसपास रहते हैं।

लंदन का हिंदू समुदाय औसत आय की दृष्टि से यहूदियों के बाद सबसे समृद्ध है और सुशिक्षित है। पर संख्या बल में वह मुस्लिम समुदाय के एक चौथाई के बराबर ही है। स्थानीय निकायों और संसद में प्रतिनिधित्व के मामले में भी वह मुस्लिम समुदाय से पीछे है। भंग हुई संसद में 19 मुस्लिम सांसद थे। हिंदू किसी पार्टी के लिए मुस्लिम समुदाय की तरह एकजुट भी नहीं होते। फिर भी, संख्या बल और अर्थ बल की दृष्टि से हिंदू समुदाय का प्रभाव इतना हो चुका है कि अब उसकी बात को अनसुना नहीं किया जा सकता। इसीलिए कुछ कंजर्वेटिव सांसदों ने हिंदूफोबिया का संज्ञान लेने और उसकी रोकथाम की मांग को स्वीकार कर लिया है। सर्वेक्षणों के अनुसार लेबर पार्टी की जीत लगभग तय दिखती है।

अमेरिका में कट्टरपंथियों का ठिकाना, आदर्शों की परवाह नहीं

तस्लीमा नसरीन

कुछ दिनों पहले न्यूयॉर्क में सुचित्रा सेन चलचित्र उत्सव का आयोजन हुआ। इसका आयोजन न्यूयॉर्क में रह रहे अनिवासी बांग्लादेशियों ने किया था। इससे कुछ ही दिनों पहले न्यूयॉर्क में बांग्ला पुस्तक मेला और साहित्य अनुष्ठान आयोजित हुए थे। इनके आयोजक भी अनिवासी बांग्लादेशी थे। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका में रहने वाले सभी बंगाली शायद प्रगतिशील हैं, सभी शायद साहित्य या संस्कृति प्रेमी हैं। क्या सच में ऐसा है?

बेशक ढाका और न्यूयॉर्क में बहुत अंतर है। अमेरिका और बांग्लादेश में जो अंतर है, ढाका और न्यूयॉर्क में वही अंतर है। अमेरिका चूंकि बांग्लादेश की तुलना में अत्यधिक विकसित और सभ्य देश है, इस कारण बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अमेरिका की स्थायी नागरिकता पाने के लिए अमेरिका जाते हैं। कट्टर मुस्लिम भी, जो हमेशा धर्म के नशे में चूर रहते हैं, ईसाइयों-यहूदियों से घृणा करते हैं, उन्हें गाली देते हैं, मौका मिलने पर वे भी अमेरिका जाने का जुगाड़ बिठाते हैं। वे अगर चाहें, तो आराम से अरब देशों में बस सकते हैं, पर वे ऐसा नहीं करते।

बांग्लादेशियों को भी अमेरिका बहुत आकर्षित करता है। अमेरिका की नागरिकता मिलने पर उनका जीवन धन्य हो जाए। स्थायी निवास के लिए उन्हें ईसाइयों, यहूदियों और नास्तिकों का देश अमेरिका ही पसंद है। बहुत लोग तो जोखिम उठाकर भी पश्चिमी देशों में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। रात के अंधेरे में नाव से भूमध्यसागर पार कर यूरोप पहुंचते हैं। नाव के डूब जाने से बहुतों की जान भी जाती है। इसके बावजूद नाव से समुद्र पार करने की जोखिम भरी कोशिशों पर विराम नहीं लगता। अरब देश में हज करने जाने, अरब देशों की पोशाक पहनने, अरब देशों की भाषा और आचार-व्यवहार का अनुसरण करने और अरब लोगों को महामानव समझने के बावजूद बांग्लादेश के लोग अरब देशों में बसने की उत्सुकता नहीं दिखाते। इसके बजाय अरब देशों में श्रमिक का काम करने गए लोग जितनी जल्दी संभव हो सके, घर लौट आने के बारे में सोचते हैं। और अरब देशों में लोगों के घरों में काम करने वाली बांग्लादेशी महिलाएं अपनी जान बचाने के लिए घर लौट आती हैं, या फिर लाश बनकर लौटती हैं।

अमेरिका बांग्लादेशियों को आकर्षित करता है, तो उसकी वजह है। अमेरिका में नौकरी करने, व्यापार करने, स्वतंत्रता से चलने-फिरने, अपने धर्म का पालन करने,

बच्चों को स्कूलों में मुफ्त में पढ़ाने की सुविधा है। वहां रुपये-पैसे न रहने पर फूड पैकेट मिलता है, मुफ्त में इलाज, दवा, आया आदि की सुविधा है। सर्वोपरि, अमेरिका में मानवाधिकार पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है, जबकि बांग्लादेश में मानवाधिकार की किसी को परवाह ही नहीं है। इसके बावजूद अमेरिका में रहने वाले ये लोग अमेरिकी आदर्शों को थोड़ा भी नहीं मानते। अमेरिका इन्हें उदार नहीं बना पाता। अमेरिका में रहते हुए भी ये बांग्लादेशी बने रहते हैं। भोजन की खोज इन्हें हलाल मीट की दुकान पर ले जाती है। अमेरिका में आने के बावजूद ये बांग्लादेश का पहनावा नहीं छोड़ते। महिलाएं बुर्का और नकाब नहीं छोड़तीं। अमेरिका में रहते हुए भी ये धार्मिक कट्टरता को बरकरार रखते हैं। ये मानते हैं कि उनका धर्म दुनिया में सबसे श्रेष्ठ धर्म है। वहां रहकर भी ये लोग मानते हैं कि ट्विन टावर्स को ध्वस्त कर देने वाले आतंकवादियों ने बहुत बड़ा काम किया था। इनमें से कुछ तो यह सपना तक देखते हैं कि पश्चिम के तमाम देश मुस्लिमों से भर गए हैं और यह पृथ्वी सिर्फ मुस्लिमों के लिए है।

बांग्लादेशियों की नई पीढ़ी में अमेरिका जाने की इच्छा प्रबल है। यही नहीं, ये लोग अपने देश से बाहर यह बताने में भी कतराते हैं कि उनके माता-पिता बांग्लादेशी हैं। दूसरी ओर, अपने घर में कट्टरवादियों द्वारा लगातार ब्रेनवॉश किए जाने के कारण कुछ लोग अपने धर्म को श्रेष्ठ समझने लगते हैं। इस तरह के भटके हुए लोग दूसरे देशों के मुस्लिमों को अपना समझने की गलती कर डालते हैं। हालांकि दूसरी तरफ यह भी सच है कि अमेरिका में पैदा हुई पीढ़ी के अनेक बच्चे बांग्ला में बातचीत करते हैं, बांग्ला गीत गाते हैं। हालांकि यह इस पर निर्भर करता है कि इन बच्चों के माता-पिता घर में बांग्ला संस्कृति को कितना प्रोत्साहित करते हैं।

अनिवासी बांग्लादेशियों ने अमेरिका के विभिन्न शहरों में छोटे-छोटे बांग्लादेश बना लिए हैं। पश्चिम उनके जीवन-यापन और सोच-विचार में किसी प्रकार का बदलाव नहीं ला पाया है। अमेरिका में रह रहे बांग्लादेशी अब भी जात-पांत, अंधविश्वास और कठोर पुरुषतंत्री सोच में जकड़ा हुआ है। इनके अपने देश में नारी विरोध का जो इतिहास है, उसे ये बांग्लादेशी बंगाल की खाड़ी के किनारे से अटलांटिक और प्रशांत महासागर के किनारे तक ढोकर ले आए हैं। अनिवासी नागरिक शायद ऐसे ही होते हैं। जिस मिट्टी से वे आते हैं, आजीवन उसी मिट्टी से जुड़े रहते हैं। विदेशी संस्कृति से वे वस्तुत: उतना ही ग्रहण करते हैं, जितना उनके रोजगार के लिए जरूरी होता है। लेकिन सोच-विचार की दरिद्रता से मुक्ति पाने के लिए जिस दर्शन की जरूरत होती है, उसे वे कभी जान-सीख-अपना नहीं सकते। वे आजीवन सिर्फ उसी पर चर्चा करते हैं, जो अपने देश से सीखकर आए होते हैं।

मैं यह नहीं कह रही कि न्यूयॉर्क में बांग्ला साहित्य और संस्कृति के कर्णधारों ने सिर्फ मुझे ही प्रतिबंधित किया। हो सकता है, और भी लेखकों-कवियों-संस्कृतिकर्मियों को उन्होंने प्रतिबंधित किया हो, और भविष्य में भी करते रहेंगे। और वहां आमंत्रित कवियों-लेखकों ने न तो इस प्रतिबंध के विरोध में कुछ कहा, न भविष्य में कुछ कहेंगे। धारा के विरुद्ध चलने वाले या अलग विचार रखने वालों की उपेक्षा करते हुए बांग्ला पुस्तक मेला इसी तरह सालोंसाल आयोजित होते रहेंगे। इसी कारण मैं कहती हूं कि बांग्लादेश और अमेरिका में भले ही फर्क हो, लेकिन इन जगहों में रहने वाले बांग्लादेशियों में आपको कोई अंतर नहीं दिखेगा। जिस तरह ढाका में होने वाले पुस्तक मेले में मेरा प्रवेश प्रतिबंधित है, ठीक उसी तरह न्यूयॉर्क में होने वाले पुस्तक मेले में भी मुझे प्रतिबंधित किया जाता है। सात समुद्र पार बस जाने के बावजूद संकुचित बंगाली संकुचित ही रह जाता है।

इधर मोदी ने ली शपथ, उधर दोस्त मैक्रों ने भंग कर दी संसद

अभिनय आकाश

आज आपको ऐसे देश की कहानी सुनाने जा रहे हैं जहां वोटर के लिए पात्रता 18 बरस है और सर्वशक्तिशाली पद यानी राष्ट्रपति के पद के लिए पात्रता 18 बरस है। आप कह रहे होंगे की अभी अभी तो मोदी सरकार 3.0 का शपथ ग्रहण समारोह हुआ है और हम ये कहां फ्रांस की बता कर रहे हैं। दरअसल, प्रिय नरेंद्र के दोस्त और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चौंकाने वाला कदम उठाते हुए नेशनल असेंबली भंग कर दिया है। उन्होंने यूरोपीय संसद के चुनाव में पार्टी की बड़ी हार को देखते हुए ये फैसला लिया है। एग्जिट पोल के अनुमानों के अनुसार मैक्रों की रिनेसा पार्टी को यूरोपीय यूनियन संसदीय चुनाव में मरीव ली पेन की दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली से हार का सामना करना पड़ रहा है। आज फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव का एमआरआई स्कैन करेंगे। जानेंगे कि फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव का प्रोसेस क्या है। इस बार के मौजूदा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की दावेदारी क्या कमजोर हुई है और इस चुनाव के नतीजों से क्या बदलने वाला है। अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, यूके और भारत के बाद दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी है। फ्रांस पहले और दूसरे विश्व युद्ध का विजेता रह चुका है। यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल के पांच स्थायी सदस्यों में से एक है। इनके पास एटम बम भी है। इसके अलावा फ्रांस यूरोपीयन यूनियन और नाटो का संस्थापक सदस्य है। आपके पास फ्रांस की नागरिकता होना जरूरी है। उमर 18 साल या उससे ज्यादा। किसी अदालत द्वारा आपको आयोग्य घोषित न किया गया हो। आपका अपना बैंक अकाउंट होना चाहिए। उम्मीदवार को कम से कम 500 चुने हुए प्रतिनिधियो के हस्ताक्षर चाहिए। हस्ताक्षर करने वालों में सांसद और मेयर शामिल हैं। दस्तखत नहीं होने पर उम्मीदवारी खारिज हो जाएगी। फ्रांस में राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच साल का होता है। 2000 से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति का कार्यकाल 7 साल का होता था। राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के दौरान किसी दूसरे पद पर काम नहीं कर सकता है। इसे जनता सीधे चुनती है। राष्ट्रपति के नाम पर सीधे वोट डाले जाते है। राष्ट्रपति के चुनाव के बाद नेशनल असेंबली के चुनाव कराए जाते हैं। फ्रांस में हमारी तरह ही दो सदनों वाली व्यवस्था है। नेशनल असेंबली जैसे अपने यहां लोकसभा है, जबकि ऊपरी सदन को सेनेट के नाम से जाना जाता है। नेशनल असेंबली सेनेट की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली होती है। राष्ट्रपति का पद और नेशनल असेंबली का चुनाव कुछ ही समय के अंतराल पर होता है इसलिए नेशनल असेंबली में चुने गए लोग राष्ट्रपति के प्रति वफादार रहते हैं। मतलब पब्लिक का मूड कमोबेश राष्ट्रपति चुनाव जैसा ही नेशनल असेंबली में भी दिखता है। फ्रांस में प्रेसिडेंशियल और पार्लियामेंट्री दोनों सिस्टम एकसाथ काम करते हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति कार्यपालिका और सेना का मुखिया होता है। सही मायनों में इन शक्तियों का अपने विवेक के अनुसार प्रयोग कर सकता है। विदेश नीति भी राष्ट्रपति द्वारा तय की जा सकती है और इसके लिए उसे संसद की सहमति की जरूरत नहीं होती है। राष्ट्रपति को नेशनल असेंबली को भंग करने का और अपने पसंद के व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद के लिए नॉमिनेट करने और पिंक क्लिप थमाने का भी हक है। पब्लिक मीटिंग की अध्यक्षता के साथ ही संसद की बैठक बुलाने का भी पावर है। फ्रांस की नेशनल असेंबली में 577 सदस्य होते हैं। जैसा की हमने आपको पहले बताया कि वहां पर राष्ट्रपति पद के लिए अलग से चुनाव होता है। ऐसे में यदि रिनेसा पार्टी की हार होती है तो भी मैक्रों की सेहत पर कुछ खास असर नहीं पड़ने वाला है। हालांकि मरीन ली पेन की नेशनल रैली यदि नेशनल असेंबली में बहुमत प्राप्त कर लेती है तो मैक्रों बेहद कमजोर राष्ट्रपति बन जाएंगे और उन्हें संसद में अहम फैसले लेने के लिए विपक्षी पार्टियों पर निर्भर रहना पड़ेगा। फ्रांस में अप्रैल 2022 में राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। इसमें दूसरे चरण की वोटिंग में इमैनुएल मैक्रों को जीत हासिल हुई थी। फ्रांस में यदि पहले चरण की वोटिंग में किसी को 50 प्रतिशत वोट नहीं मिलता है तो दूसरे चरण की वोटिंग होती है। दूसरे चरण की वोटिंग में मैक्रों को 58.5 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं मरीन ली पेन को 41.5 प्रतिशत वोट मिले। फ्रांस के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है कि कोई उम्मीदवार पहले चरण में 50 प्रतिशत वोट हासिल कर राष्ट्रपति बन गया हो।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

सुबह शरीर और मन को जगाने के लिए करें इन योग आसानों का अभ्यास

एकता

योग आसनों की मदद से हम अपनी शारीरिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ये आसान हमारे मन को शांत करने में भी करते हैं। योग नियमित रूप से करने से न केवल तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है, बल्कि यह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

भागदौड़भरी जिंदगी में अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए शरीर और मन को शांत रखना बेहद जरुरी है। लेकिन ये होगा कैसे? योग की मदद से शरीर और मन को शांत किया जा सकता है। योग शरीर, मन और आत्मा को संतुलित और सशक्त बनाने का साधन है। योग आसनों की मदद से हम अपनी शारीरिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ये आसान हमारे मन को शांत करने में भी करते हैं। योग नियमित रूप से करने से न केवल तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है, बल्कि यह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कौन से योग आसान शरीर और मन को जागृत करने में मदद करते हैं।

वीरभद्रासन

यह आसन मांसपेशियों और आपके रुख को मजबूत करता है और शक्ति और सकारात्मकता को बढ़ाता है। प्रारंभिक स्थिति – एक पैर आगे की ओर होना चाहिए, पिछला पैर सीधा होना चाहिए और एड़ी ज़मीन को छूनी चाहिए। अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखें, अपनी भुजाओं को हवा में ऊपर उठाएं और अपनी हथेलियों को एक-दूसरे के सामने रखें, फिर अपने सामने वाले घुटने को अपने हाथों से मिलाएँ। अपने कूल्हों को फर्श क ी ओर झुकाएँ और दूसरी तरफ़ जाने से पहले कुछ समय के लिए इस स्थिति में रुकें।

ताड़ासन

यह सबसे प्रभावी आसनों में से एक है क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और सरेखित करने में सहायता करता है, जिससे अभ्यासकर्ता अन्य आसनों के लिए तैयार हो जाता है। इस स्थिति को सही तरीके से करने के लिए, आपको दोनों पैरों को जोड़ना होगा, हाथों को शरीर के पास रखना होगा, और वजन को समान रूप से वितरित करना होगा। गहरी सांस लें, अपनी बाहों को अपने सिर के ऊपर लाएँ, और उन्हें छत की ओर बढ़ाएँ जैसे कि आप आकाश को पकड़ने का प्रयास कर रहे हों। यह स्थिति तनाव से राहत देती है और आपको एक केंद्र, संतुलन और स्थिरता की भावना देती है।

अधोमुख श्वानासन

यह लोकप्रिय योग आसन शरीर के सभी अंगों को फैलाता है, हाथों और पैरों की मांसपेशियों को बढ़ाता है, और नाड़ी को बढ़ाता है। चारों तरफ से खड़े होकर, अपने पैर की उंगलियों को मोड़ें, और अपने कूल्हों, उरोस्थि और पैरों को छत की ओर उठाएं ताकि एक उल्टा वी आकार बन जाए। अपनी हथेलियों और उंगलियों को पूरी तरह से चटाई पर रखें, अपनी गर्दन को सीधा करें, और चटाई के मध्य बिंदु पर सीधे नीचे देखें। कुछ समय के लिए इस स्थिति में रहें, क्योंकि यह पीठ की मांसपेशियों, हैमस्ट्रिंग और बछड़े की मांसपेशियों को खींचता है।

बालासन

यह एक प्रसिद्ध योग मुद्रा है जो मन को शांत करती है और पीठ, कूल्हे और कंधों की मांसपेशियों को हल्का खिंचाव प्रदान करती है। अपने पैरों को बच्चे के कंबल पर रखकर, अपने नितंबों को घुटनों और छाती पर झुकाते हुए नीचे करें और अपनी बाहों को अपने सामने या अपने शरीर के बगल में रखें। इसके बाद, अपनी पीठ के बल लेट जाएँ और अपने माथे को आराम से साँस लेने के लिए चटाई पर रखें और अपने शरीर को ढीला छोड़ दें।

यह संकेत आएं नजर तो तुरंत शुरू कर दें एक्सरसाइज

अगर आपको लगातार कब्ज की शिकायत होनी शुरू हो गई है, तो अब आपको एक्सरसाइज करने के रूटीन को थोड़ा सीरियसली लेने की आवश्यकता है। दरअसल, जब आप मूव करते हैं, तो आपका कोलन भी मूव करता है और समय पर शौच करना आसान होता है।

यह तो हम सभी जानते हैं कि फिट और एक्टिव रहने के लिए एक्सरसाइज करना बेहद आवश्यक है और अक्सर लोग एक्सरसाइज करने के फायदों पर चर्चा भी करते हैं, लेकिन उसे करने को इतना महत्व नहीं देते। कभी समय के अभाव तो कभी आलस्य के चलते एक्सरसाइज कहीं पीछे छूट जाती हैं। जिसके कारण आपको सिर्फ वजन बढ़ना ही नहीं, बल्कि अन्य भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक वक्त के बाद तो खुद आपका शरीर ही यह संकेत देना शुरू कर देता है कि आपको अब एक्सरसाइज करने की बहुत अधिक जरूरत है। तो चलिए आज इस लेख में हम उन्हीं संकेतों के बारे में चर्चा कर रहे हैं-

कब्ज की शिकायत होना

अगर आपको लगातार कब्ज की शिकायत होनी शुरू हो गई है, तो अब आपको एक्सरसाइज करने के रूटीन को थोड़ा सीरियसली लेने की आवश्यकता है। दरअसल, जब आप मूव करते हैं, तो आपका कोलन भी मूव करता है और समय पर शौच करना आसान होता है। हेल्दी मसल्स टोन और डायाफ्राम भी आपके पाचन तंत्र के माध्यम से अपशिष्ट को स्थानांतरित करने में मदद करता है। लगातार व्यायाम करने से आपके बाउल सिस्टम को सही तरह से काम करने में मदद मिल सकती है, खासकर जब आपकी उम्र बढ़ जाती है।

ब्लड प्रेशर ज्यादा रहना

ब्लड प्रेशर का लगातार बढ़ा हुआ रहना एक गंभीर समस्या है और अगर आपको यह स्वास्थ्य समस्या हो रही है तो आपको एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेना चाहिए। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कसरत बहुत अधिक मददगार होती है। दरअसल, जब आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो इससे आपका शरीर अधिक एक्टिव हो जाता है, जिससे ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद मिलती है।

स्किन का डल नजर आना

कुछ लोग यह मानते हैं कि स्किन में डलनेस की वजह उसकी सही तरह से देख-रेख ना करना है, लेकिन एक्सरसाइज ना करने से भी स्किन का ग्लो चला जाता है। दरअसल, जब आप एक्सरसाइज करने ना केवल पसीने के रूप में बॉडी के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं, बल्कि ब्लड फ्लो बढ़ता है जिससे आपकी स्किन में एक गजब का निखार आता है और एजिंग के साइन्स कम नजर आते हैं। ऐसे में लंबे समय तक स्किन को हेल्दी, ग्लोइंग व यंगर बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज करना आवश्यक है।

गर्मियों में लू से खुद का बचाव करने के लिए फॉलो करें ये टिप्स, बार-बार नहीं पड़ेंगे बीमार

मई-जून की भीषण गर्मी से हर कोई परेशान है। वहीं इस मौसम में लोगों के अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। भारतीय मौसम विभाग ने भी गर्मी को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। उत्तर भारत के अलावा तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, झारखंड, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। कई जगहों पर तो तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा चुका है।

बता दें कि गर्मियों में हाई टेंपरेचर कई तरह से परेशानी का सबब बन सकता है। गर्मियों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी कई समस्याएं होने लगती हैं। वहीं अगर इनका सही समय पर इलाज न किया जाए, तो व्यक्ति अपनी जान से भी हाथ धो बैठता है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने हीट वेव को लेकर गाइडलाइन्स जारी की है। जारी गाइडलाइन्स में बताया गया है कि इस मौसम में व्यक्ति खुद को कैसे सुरक्षित रख सकता है, क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में सुरक्षित रहने के उपाय

नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की तरफ से जारी गाइडलाइंस के अनुसार, दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर नहीं निकलें। इस मौसम में शरीर में पानी की कमी न होने दें। क्योंकि गर्मी में शरीर से पसीना निकलता है, जिसके कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है और व्यक्ति डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाता है। जिससे लू और हीट स्ट्रोक का खतरा अधिक बढ़ जाता है। इसलिए गर्मियों में मौसम में जूस, नारियल पानी और पानी आदि का सेवन करते रहना चाहिए। गर्मियों में बहुत अधिक चाय-कॉफी का सेवन न करें, क्योंकि इससे भी डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इस मौसम में अधिक ब्राइट व टाइट कपड़े पहनने से बचना चाहिए। गर्मियों में सूती और ढीले कपड़े पहनना चाहिए। वहीं जरूरत पड़ने पर घर से बाहर निकलें और शरीर को अच्चे से कवर कर लें। घर से बाहर निकलने के दौरान गॉगल्स, हैट, छाते आदि का इस्तेमाल करना चाहिए। इस मौसम में बासी और हाई प्रोटीन खाना खाने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में विटामिन सी से भरपूर फलों और करेला, खीरा, तरबूज, परवल आदि को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। इस दौरान रेड मीट और नमक का सेवन कम से कम करना चाहिए। घर को ठंडा रखने के लिए कूलर व एसी का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं दिन में खिड़की और दरवाजों आदि पर पर्दा लगाकर रखना चाहिए। गर्मियों में बच्चों और पेट्स आदि को गाड़ी में छोड़ने की गलती न करें।

कंधे में दर्द ने कर दिया है परेशान तो जरूर करें यह एक्सरसाइज

शोल्डर रोल एक्सरसाइज को कंधों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसके लिए, आप अपने पैरों को एक दूसरे से थोड़ा अलग करके सीधे खड़े हो जाएं। सांस अंदर लें और इसके साथ ही अपने कंधों को अपने कानों की तरफ उठाएं।

कंधे में दर्द की समस्या आज के समय में बेहद आम बन गई है। कभी हैवी सामान को कंधे पर कैरी करने तो कभी लंबे समय एक ही पॉश्चर में काम करने पर व्यक्ति को कंधे में दर्द की समस्या शुरू हो जाती है। यूं तो यह दर्द कुछ वक्त बाद खुद-ब-खुद ठीक हो जाता है। लेकिन अगर आपको नियमित रूप से कंधे में दर्द की शिकायत रहती है तो यह जरूरी है कि आप इस दर्द को सीरियसली लें और इसे ठीक करने के लिए कुछ कदम उठाएं। आमतौर पर, कंधे के दर्द की मुख्य वजह स्टिफनेस होती है और ऐसे में अगर कुछ एक्सरसाइज की जाए तो इससे स्टिफनेस दूर होती है और दर्द से राहत मिलती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं, जो शोल्डर पेन से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं-

आर्म क्रॉस एंड स्ट्रेच एक्सरसाइज

इस एक्सराइज को करने के लिए सबसे पहले आप कुर्सी पर बैठ जाएं। इस दौरान अपनी रीढ़ को बिल्कुल सीधा रखें। अब अपने बाएं हाथ को अपनी कोहनी से अपने दाहिने हाथ से पकड़ें और इसे अपने शरीर पर अपनी छाती की ओर खींचें। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे आपको अपने बाएं कंधे में खिंचाव महसूस होगा। इस पोजिशन में करीबन 5-10 सेकंड के लिए होल्ड करें। इसके बाद हाथों को सामान्य स्थिति में ले जाएं। अब आप दूसरे हाथ से भी यही प्रक्रिया दोहराएं।

करें शोल्डर रोल एक्सरसाइज

शोल्डर रोल एक्सरसाइज को कंधों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसके लिए, आप अपने पैरों को एक दूसरे से थोड़ा अलग करके सीधे खड़े हो जाएं। सांस अंदर लें और इसके साथ ही अपने कंधों को अपने कानों की तरफ उठाएं। अपने कंधों को पीछे की ओर ले जाएं और अपने कंधे को हल्का पीछे की तरफ स्ट्रेच करें। सांस छोड़ते हुए कंधे को छोड़ दें और सामान्य स्थिति में आ जाएं। अब आप अपने कंधों को पहले क्लॉकवाइज और फिर एंटी-क्लॉकवाइज घुमाएं।

करें चेस्ट स्ट्रेच एक्सरसाइज

यह एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिससे आपकी चेस्ट और कंधों दोनों का ही तनाव दूर होता है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को एक दूसरे से थोड़ा अलग रखें। साथ ही, अपने हाथों को बगल में रखें। अब आप अपने दोनों हाथों को पीछे की तरफ लेकर ताली बजाएं। अगर आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो एक छोटे तौलिये का इस्तेमाल करें और इसे अपने दोनों हाथों से पकड़ लें। इस दौरान अपनी चेस्ट को ओपनअप करने का प्रयास करें। इससे आपको कंधों में भी खिंचाव महसूस होगा, जैसे कि आप उन्हें पीछे की ओर खींच रहे हैं। अब इस अवस्था में 4-5 सेकंड के लिए रुकें और फिर छोड़ दें। आप इसे यथाशक्ति दोहराएं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रियंका के वायनाड से चुनाव लड़ने पर प्रमोद कृष्णम ने साधा निशाना

नईदिल्ली। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी को चुना है। यह पहली बार है कि किसी सीट पर प्रियंका खुद चुनावी रण में उतरने जा रही हैं। प्रियंका के चुनाव लड़ने के पार्टी फैसले पर निष्कासित नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मंगलवार को निशाना साधा है। कृष्णम ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर प्रियंका गांधी को उपचुनाव में लोकसभा का टिकट देकर उनका कद कम करने की कोशिश की जा रही है। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा यह घोषणा किए जाने के एक दिन बाद आई है कि प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड लोकसभा सीट से उपचुनाव लड़ेंगी। कृष्णम ने आगे कहा कि प्रियंका गांधी कांग्रेस में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं। उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए था। उन्हें उपचुनाव में लोकसभा का टिकट देकर कद कम करने की कोशिश की जा रही है।

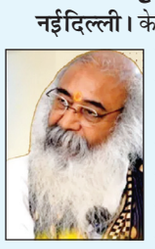

वायनाड के लोगों के साथ हुआ अन्याय : एनी राजा

तिरुवनंतपुरम। वायनाड की सीट से राहुल गांधी सांसद हैं और रायबरेली की सीट से भी वो सांसद है। ऐसे में उन्होंने वायनाड की सीट से इस्तीफा देने का फैसला किया है। राहुल गांधी के इस फैसले से बीजेपी समेत सीपीआई ने उन पर हमला किया है। सीपीआई नेता और वायनाड सीट से प्रत्याशी रहीं एनी राजा ने कहा है कि राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों के साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वायनाड की जनता ने राहुल गांधी को भारी मतों से जीत दिलाई और राहुल ने उन्हें ही छोड़ने का फैसला कर लिया है। एनी राजा ने कहा कि उन्होंने चुनाव के दौरान भी कहा था कि राजनीतिक नैतिकता बनाए रखें, राहुल गांधी को मतदाताओं को सूचित करना चाहिए था क्योंकि उन्होंने उन्हें भारी बहुमत दिया था और मतदाताओं को सूचित किया जाना चाहिए था कि वह किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की योजना बना रहे थे, यह वायनाड के वोटरों के साथ अन्याय है।

स्वाति मालीवाल ने इंडिया गुट के नेताओं को लिखा पत्र

नईदिल्ली। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अपने साथ हुए मारपीट मामले को लेकर एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को पत्र लिखा है। स्वाति मालीवाल ने सीएम हाउस में उनके साथ हुई बदसलूकी मामले में सपोर्ट मांगा है। मालीवाल ने अपने पत्र में लिखा कि पिछले एक महीने में, मैंने पहली बार उस दर्द और अलगाव का सामना किया है जिसका सामना एक पीड़िता को न्याय के लिए लड़ते समय करना पड़ता है। स्वाति मालीवाल ने लिखा कि जिस क्रूर पीड़िता को शर्मसार करने और चरित्र हनन का मुझे सामना करना पड़ा है, वह अन्य महिलाओं और लड़कियों को दुर्व्यवहार के खिलाफ बोलने से हतोत्साहित करेगा। मैं इस प्रासंगिक मुद्दे पर चर्चा के लिए आपका समय मांगना चाहूंगी। मैं इसके लिए आपकी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं।

मानसून सत्र के बाद टूटेगी अजित की एनसीपी : रोहित

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) गुट के नेता रोहित पवार ने दावा किया है कि राज्य विधानमंडल के आगामी मानसून सत्र के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में बड़ी टूट होने वाली है। रोहित पवार ने दावा किया है कि राकांपा के 18 से 19 विधायक मानसून सत्र के बाद उनके पक्ष में आ जाएंगे। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा कि ऐसे कई एनसीपी विधायक हैं जिन्होंने जुलाई 2023 में एनसीपी में हुई टूट के बाद पार्टी के संस्थापक शरद पवार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ कभी भी बुरा नहीं बोला। रोहित पवार राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार के पोते हैं। अभी ये विधायक उपमुख्यमंत्री अजित पवार का साथ क्यों नहीं छोड़ रहे हैं इस पर भी रोहित पवार ने खुलासा किया। उन्होंने कहा कि विधायकों को विधानसभा सत्र में भाग लेना है और अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विकास निधि प्राप्त करनी है। इसलिए वे सत्र समाप्त होने तक प्रतीक्षा करेंगे।

जगन मोहन रेड्डी ने मतपत्रों का इस्तेमाल पर दिया जोर

अमरावती। वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को चुनावों में ईवीएम की जगह मतपत्रों का इस्तेमाल पर जोर दिया। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि हर उन्नत लोकतंत्र में मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, दुनिया भर में लगभग हर उन्नत लोकतंत्र में चुनावों में ईवीएम का नहीं, बल्कि मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए हमें भी उसी ओर बढ़ना चाहिए। जगन मोहन रेड्डी ने कहा, जिस तरह से न्याय केवल होने से नहीं होता, बल्कि दिखना भी चाहिए। ठीक वैसे ही लोकतंत्र भी केवल कायम नहीं होना चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए।

प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी पर भाजपा का तंज, पूछा-

क्या पलक्कड़ से रॉबर्ट वाड्रा बनेंगे प्रत्याशी?

नईदिल्ली। राहुल गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने का फैसला क्या किया भाजपा नेताओं ने राहुल समेत पार्टी नेताओं पर जुबानी हमले शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस पार्टी ने 17 जून को फैसला किया, कि उनके नेता राहुल गांधी रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद रहेंगे और वायनाड सीट को छोड़ देंगे। इस दौरान पार्टी ने वायनाड सीट से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी का भी एलान किया। जिसके बाद से भाजपा की तरफ से लगातार हमले किए जा रहे हैं।

वहीं केरल भाजपा की तरफ से इस मामले में लगातार जुबानी हमले के क्रम में पूछा गया कि अगर प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने वायनाड सीट से उम्मीदवार बनाया है। तो क्या देश की सबसे पुरानी पार्टी उनके पति रॉबर्ट वाड्रा को आगामी पलक्कड़ विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी बनाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और वरिष्ठ नेता वी. मुरलीधरन ने कांग्रेस नेतृत्व के फैसले पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने वायनाड की जनता के साथ धोखा किया है। बता दें कि के. सुरेंद्रन लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के सामने वायनाड से प्रतिद्वंदी उम्मीदवार थे।

कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए के. सुरेंद्रन ने कहा कि ये एकबार फिर से सिद्ध हो गया कि कांग्रेस पार्टी नेहरू-गांधी परिवार के हितों की सेवा करने का एकमात्र उपकरण है। सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था वायनाड उनका परिवार है, और अब वहां से उन्होंने उपचुनाव में अपनी बहन की उम्मीदवारी का फैसला किया है। उम्मीद है कि राहुल अपने जीजा रॉबर्ट वाड्रा को पलक्कड़ विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी बनाएंगे। अब लोग राहुल गांधी के परिवार की भावनाओं अच्छी तरीके से समझ चुके हैं।

इस मामले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा के वी. मुरलीधरन ने कहा कि राज्य के लोग कांग्रेस पार्टी के इस रवैये को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने राज्य में चुनाव खत्म होने तक रायबरेली से चुनाव लड़ने की अपनी योजना को छिपाकर वायनाड की जनता को धोखा दिया है। उन्होंने कहा, मैं वायनाड के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे आगामी लोकसभा उपचुनाव में अपनी लोकतांत्रिक शक्ति का इस्तेमाल करके कांग्रेस पार्टी के इस रवैये का जवाब दें।

वहीं भाजपा नेताओं के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता वी.डी सतीशन ने कहा कि उनके बयान का कोई मतलब नहीं है। वायनाड ही नहीं पूरा केरल प्रियंका गांधी के आगमन का दिल खोलकर स्वागत करेगा। जैसे लोगों ने राहुल गांधी को स्वीकारा था, उसी तरह प्रियंका को भी अपनाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रियंका गांधी देश में फासीवादी और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। कांग्रेस और पार्टी के नेतृत्व वाली यूडीएफ एकजुट होकर केरल में उनका स्वागत कर रही है। प्रियंका गांधी अपने भाई की तुलना में अधिक मतों के अंतर से वायनाड लोकसभा सीट जीतेंगी।

प्रियंका गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने पर रॉबर्ट वाड्रा ने जताई खुशी

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने मंगलवार को वायनाड से अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारने के पार्टी के कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह जब भी सही समय होगा संसद में उनका अनुसरण करेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा के भाई राहुल गांधी ने इस महीने की शुरुआत में रायबरेली और वायनाड से लोकसभा चुनाव जीता था। सोमवार को उन्होंने केरल सीट छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा की, जिससे उनकी बहन के लिए चुनावी राजनीति में उतरने का रास्ता साफ हो गया।

प्रियंका गांधी वाड्रा दशकों से अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार कर रही थीं, लेकिन 2019 के आम चुनाव से पहले उन्होंने आधिकारिक तौर पर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। अपने भाई और मां के विपरीत, उन्होंने कभी चुनाव नहीं लड़ा। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि सबसे पहले, मैं भाजपा को सबक सिखाने के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने धर्म आधारित राजनीति की। मुझे खुशी है कि प्रियंका गांधी वायनाड से लड़ने जा रही हैं। उन्हें संसद में होना चाहिए, इसलिए नहीं कि वह प्रचार कर रही हैं बल्कि मैं चाहता हूं कि वह संसद में हों।

हालाँकि, वह संकेत देते दिखे कि वह संसद का सदस्य बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, उन्हें मुझसे पहले संसद में होना चाहिए। जब ??भी सही समय होगा मैं उनका अनुसरण कर सकता हूं। मैं खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि लोग उन्हें अच्छा जनादेश देंगे। लोकसभा चुनाव से पहले रॉबर्ट वाड्रा ने दावा किया था कि देश के कई हिस्सों से उनके लिए गांधी परिवार के गढ़ अमेठी से चुनाव लड़ने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि मुझे इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने की मांग देश के विभिन्न कोनों से आ रही है। लोग मेरी मेहनत को समझते हैं और चाहते हैं कि मैं उनके निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करूं ताकि विकास हो सके और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान हो सके।

प्रधानमंत्री का पहला बिहार का दौरा आज नालंदा विवि के नए परिसर का करेंगे उद्घाटन

नईदिल्ली। बौद्ध शिक्षा केंद्र के प्राचीन खंडहर स्थल के पास बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय को नया कैंपस मिलने वाला है। इस नए कैंपस का उद्घाटन बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले है। ये कैंपस लगभग दो दशक पहले शुरू हुई एक पहल को आगे बढ़ाएगा। नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना 2010 में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से की गई थी, जिसके तहत 2007 में फिलीपींस में आयोजित दूसरे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और 2009 में थाईलैंड में आयोजित चौथे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित किया गया था। दूसरे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में 10 आसियान देशों और छह भागीदारों को एक साथ लाया गया था। इन निर्णयों में बौद्धिक, दार्शनिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अध्ययन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान की स्थापना की बात कही गई थी। वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी सरकार के तहत विश्वविद्यालय को एक बड़ा बढ़ावा मिला, जब इसने 14 छात्रों के साथ एक अस्थायी स्थान से काम करना शुरू किया।

राहुल ने नीट परीक्षा को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को नीट-यूजी 2024 परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी बनाए रखने की आलोचना की। राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर ताजा हमला सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की खिंचाई करने के तुरंत बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि अगर नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए।

राहुल गांधी ने हिंदी में एक्स पर लिखा, नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमारे न्यायपत्र में पेपर लीक के विरुद्ध सख्त कानून बना कर युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने की हमने गारंटी दी थी। विपक्ष की ज़िम्मेदारी निभाते हुए हम देश भर के युवाओं की आवाज़ सड़क से संसद तक मज़बूती से उठा कर और सरकार पर दबाव डाल कर ऐसी कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एनटीए द्वारा आयोजित नीट-यूजी परीक्षा देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष तथा अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मार्ग है। इस महीने की शुरुआत में, राहुल गांधी ने रविवार को नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश विवाद को लेकर मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि परीक्षा में कथित अनियमितताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ लेने से पहले ही 24 लाख से अधिक छात्रों को तबाह कर दिया है। राहुल गांधी ने देश के छात्रों को आश्वासन दिया कि वह संसद में उनकी आवाज बनेंगे और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक)-2024 से संबंधित मुकदमे को विरोधात्मक नहीं माना जाना चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने केंद्र और एनटीए की ओर से पेश वकीलों से कहा, अगर किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए।

खेल
प्रमुख समाचार

सुपर-8 से पहले भारतीय टीम की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव सोमवार को चोटिल हो गए। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई जिसने टीम इंडिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। दरअसल, बीते दिन भारतीय टीम ने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत की। इस दौरान स्टार बल्लेबाज को नेट पर बल्लेबाजी करते समय हाथ पर चोट लग गई जिसके बाद फिजियो पहुंचे और उन्हें प्राथमिक इलाज दिया। इसके बाद स्टार खिलाड़ी ने एक बार फिर बल्लेबाजी की।

भारत गुरुवार को बारबाडोस में अपने पहले सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगा। यह 2007 के चैंपियन के लिए कैरिबिया में पहला मैच होगा। दरअसल, टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच अमेरिका में खेले थे। भारत ने न्यूयॉर्क में तीन मैच खेले जबकि शनिवार को फ्लोरिडा में कनाडा के खिलाफ उनका आखिरी मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसकी वजह से भारत को अपनी प्लेइंग 11 के साथ प्रयोग करने का मौका नहीं मिला।

सुपर-8 की आठ टीमें तय हो चुकी हैं। 19 जून से सुपर-8 राउंड की शुरुआत हो जाएगी। 20 टीमें इस विश्व कप में खेलने उतरी थीं, जिन्हें पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा गया था। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर-8 में पहुंची हैं। इनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, अमेरिका, इंग्लैंड और बांग्लादेश शामिल हैं।

सुपर-8 में भारतीय क्रिकेट टीम का शेड्यूल

भारत बनाम अफगानिस्तान 20 जून को
भारत बनाम बांग्लादेश 22 जून को
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया 24 जून को

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 77,301 पर बंद तो निफ्टी 23,558 पर पहुंचा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में रिकॉर्ड ऑल टाइम हाई लेवल पर बंद हुए। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच टेक्नोलॉजी कंपनी और प्राइवेट बैंकों के के शेयरों में उछाल के चलते बाजार चढ़कर बंद हुए। साथ ही घरेलू निवेशकों के निवेश से भी बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव के मुकाबले तेजी के साथ 77,235.31 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 77,071.44 से 77,366.77 अंक के बीच झूलने के बाद अंत में सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत या 308.37 अंक चढ़कर 77,301.14 के रिकॉर्ड लेवल बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्व) का निफ्टी भी 92.30 अंक या 0.39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23,557.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी चढ़कर बंद हुआ।

फिच ने भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया

नईदिल्ली। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। मार्च में उसने इसके सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था रेटिंग एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में वृद्धि का हवाला देते हुए अनुमान में संशोधन किया। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए फिच ने क्रमश: 6.5 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। फिच ने अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.2% की मजबूत वृद्धि होगी। फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति में नरमी से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2% की दर से बढ़ेगी।

156 प्रचंड हेलीकॉप्टरों की होगी खरीद

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना की ताकत को बढ़ाने के लिए 156 प्रचंड हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) खरीदने का फैसला किया है। बेंगलुरु स्थित विमान निर्माता हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को निविदा जारी की गई है। रक्षा मंत्रालय ने राज्य के स्वामित्व वाली हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) खरीदने के लिए लगभग 50,000 करोड़ रुपये का टेंडर दिया है। यह किसी भारतीय कंपनी को हेलिकॉप्टरों के अधिग्रहण के लिए दिया गया सबसे बड़ा ऑर्डर है। एचएएल एकमात्र कंपनी है जिसे टेंडर दिया गया है। हालांकि सौदे को अंतिम रूप देने से पहले रक्षा मंत्रालय के साथ बातचीत की जाएगी। 156 प्रचंड हेलीकॉप्टरों में से सेना के लिए 90 और भारतीय वायुसेना के लिए 66 हैं। इन लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के आने से सेना की ताकत में कई गुना इजाफा हो जाएगा।

नेस्ले की मैगी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

नईदिल्ली। भारत नेस्ले के इंस्टेंट नूडल्स व सूप ब्रांड मैगी के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार बन गया है, जबकि चॉकलेट वेफर ब्रांड किटकैट के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। नेस्ले इंडिया की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा, उच्च दोहरे अंक की वृद्धि के साथ भारतीय बाजार नेस्ले के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है। नेस्ले इंडिया की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, व्यापकता, प्रीमियमीकरण और नवाचार, अनुशासित संसाधन आवंटन के साथ मिलकर कारोबार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहे हैं। नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स और तैयार व्यंजन आदि बेचती है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं, जिससे भारत दुनियाभर में मैगी के लिए सबसे बड़ा नेस्ले बाजार बन गया।

अधिक ऋण के बोझ तले वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं चरमरा तो नहीं जाएगी

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

भारत के बैंकों की ऋण राशि में हो रही अतुलनीय वृद्धि के बावजूद, भारत में ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात अन्य विकसित देशों की तुलना में अभी भी बहुत कम है। हालांकि यह वर्ष 2020 में 88.53 प्रतिशत तक पहुंच गया था, क्योंकि पूरे विश्व में ही कोरोना महामारी के चलते आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई थी। परंतु, इसके बाद के वर्षों में भारत के ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है और यह वर्ष 2021 में 83.75 प्रतिशत एवं वर्ष 2022 में 81.02 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। साथ ही, भारत के ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के वर्ष 2028 में 80.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यदि अन्य देशों के ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात की तुलना भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के साथ की जाय तो इसमें भारत की स्थिति बहुत सुदृढ़ दिखाई दे रही है। पूरे विश्व में सबसे अधिक ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात जापान में है और यह 255 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इसी प्रकार यह अनुपात सिंगापुर में 168 प्रतिशत है, इटली में 144 प्रतिशत, अमेरिका में 123 प्रतिशत, फ्रांस में 110 प्रतिशत, कनाडा में 106 प्रतिशत, ब्रिटेन में 104 प्रतिशत एवं चीन में भी भारी भरकम 250 प्रतिशत के स्तर के आसपास बताया जा रहा है। अर्थात, विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों में ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात 100 प्रतिशत के ऊपर ही है। भारत में इस अनुपात का 81 प्रतिशत के आसपास रहना संतोष का विषय माना जा सकता है।

हाल ही के समय में भारत में विनिर्माण इकाइयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग बहुत

तेजी से बढ़ा है, वित्तीय वर्ष 2022-23 के चौथी तिमाही में विनिर्माण इकाइयों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 76.3 प्रतिशत उपयोग किया जा रहा था, जिसके कारण उद्योग जगत को ऋण की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है। बढ़े हुए ऋण की आवश्यकता की पूर्ति भारतीय बैंकें आसानी से करने में सफल रही हैं। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विकसित देशों में भी प्राय: यह देखा गया है कि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण में वृद्धि के साथ उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में भी अब यह तथ्य परिलक्षित होता दिखाई दे रहा है। भारत में आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में भी ऋण की मांग लगातार बढ़ रही है। फिर भी, भारत में कोरपोरेट को प्रदत ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत वर्ष 2015 के 65 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 50 प्रतिशत हो गया है। इसका आशय यह है कि इस दौरान कोरपोरेट ने अपने ऋण का भुगतान किया है एवं उन्होंने सम्भवत: अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करते हुए अपने लाभ का पूंजी के रूप में पुनर्निवेश किया है।

दूसरे, भारत में विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदत्त लम्बी अवधि के ऋण सामान्यत: आस्तियां उत्पन्न करने में सफल रहे हैं, जैसे गृह निर्माण हेतु ऋण अथवा वाहन हेतु ऋण, आदि। इस प्रकार के ऋणों के भविष्य में डूबने की सम्भावना बहुत कम रहती है। बैंकों द्वारा खुदरा क्षेत्र में प्रदत्त ऋणों में से 10 प्रतिशत से भी कम ऋण ही प्रतिभूति रहित दिए गए हैं जैसे सरकारी कर्मचारियों को पर्सनल (व्यक्तिगत) ऋण, आदि। पर्सनल ऋण प्रतिभूति रहित जरूर दिए गए हैं परंतु चूंकि यह सरकारी कर्मचारियों सहित नौकरी पेशा नागरिकों को दिए गए हैं, जिनकी मासिक किश्तें समय पर अदा की जाती हैं, अत: इनके भी डूबने की सम्भावना बहुत ही कम रहती है। इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि भारत में अब बैंकों द्वारा ऋण सम्बंधी व्यवसाय बहुत सुरक्षित तरीके से किया जा रहा है। इसी कारण से हाल ही के समय में यह पाया गया है कि भारतीय बैंकों की अनुत्पादक आस्तियों की वृद्धि पर अंकुश लगा है। यह भी संतोष का विषय है कि हाल ही के समय में भारतीय बैंकों से प्रथम बार ऋण लेने वाले नागरिकों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर हो कोई न कोई भारतीय खाद्यान्नः मोदी

● वर्ष भर आय देने वाली फसलों का किया जाए उत्पादनःअग्रवाल ● किसान सम्मान निधिः छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रूपए अंतरित

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में आज आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के किसानों को विभिन्न कृषि उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए। दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर भारतीय खाद्यान्न का कोई न कोई खाद्यान्न उत्पाद होना चाहिए, तभी इस देश के किसान को उन्नत किसान कहा जा सकेगा।

वर्चुअल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कृषि निर्यात में और वृद्धि हो ऐसे कदम भविष्य में उठाये जाएंगे। किसानों को प्राकृतिक खेती हेतु आगे कदम बढ़ाना चाहिए। किसानों के सम्मान बढ़ाने और आय को दोगुनी करने के लिए सरकार निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रही है। किसान, मजदूर, नारी-शक्ति और गरीब भारत के मजबूत आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि खेती को नई दिशा देने में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। कृषि सखी के रूप में खेती को एक नई ताकत देने के लिए पूरे देश के महिला समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के 3 करोड़ से अधिक परिवारों को नए आवास स्वीकृत किए गए है। आने वाले दिनों में इन परिवारों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसी तरह 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत देश के 3 करोड़ महिलाओं को करोड़पति दीदी बनाने की पहल शुरू हो गई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत आज 17वीं किश्त जारी की। इस योजना के तहत देश के 9 करोड़ 26 लाख से अधिक लाभार्थी किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। प्रदेश में अब किसान जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। जैविक खेती से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा अपितु खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी। किसानों को अब सिर्फ धान की फसल ही नहीं अपितु वर्ष भर आय देने वाली फसल दलहन, तिलहन, फल-फूल, हार्टीकल्चर, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि का भी फसल लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज और औषधि फसल को भी व्यापक रूप में बढ़ावा देना चाहिए। कृषि विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय जैविक कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए मृदा एवं फसल प्रबंधन और उद्यानिकी फसलों के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, रायपुर कलेक्टर श्री गौरव सिंह, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

कांग्रेस का प्रदेशभर में प्रदर्शन पर बोले मंत्री कश्यप

घटना में विपक्षी दल का हाथ, जांच चल रही, आरोपियों को नहीं बख्शा जाएगा

रायपुर। बलौदाबाजार घटना को लेकर प्रदेशभर में कांग्रेस प्रदर्शन कर रही. इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, बलौदाबाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है. इसमें विपक्षी दल का हाथ है. अभी मामले की जांच चल रही है. जांच में जो दोषी होगा, उस पर कार्रवाई होगी.

मंत्री कश्यप ने कहा, कानून से कोई नहीं बच सकता. दोबारा ऐसी घटना ना हो, इस पर सरकार का प्रयास है. कांग्रेस पूरी प्रकरण को लेकर आज प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है. ये वही लोग हैं, जो वहां पर पीछे से उनको सपोर्ट किए. भड़काने का काम किए. अब पूरे मामले को लेकर राजनीति कर रहे. सीएम और गृहमंत्री का स्पष्ट तौर पर कहना है कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा. कांग्रेस में अब तक नहीं हुई हार की समीक्षा. इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, कांग्रेस हार की समीक्षा नहीं कर रही, क्योंकि उनको पहले से पता था कि उनकी हार होगी तो समीक्षा क्या करेंगे? कांग्रेसी हार के कारण से इस तरह से उपद्रव करने वालों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं. ऐसी तत्वों को बढ़ावा दे रहे हैं. विधानसभा और लोकसभा में कांग्रेस को करारी हार मिली है, मंत्री मंडल के विस्तार पर केदार कश्यप ने कहा, मुख्यमंत्री का ये विशेषाधिकार है. जो होगा राज्य के बेहतरी के लिए होगा. पार्टी फोरम के साथ बैठक कर निर्णय लिया जाएगा. सरकार के कार्यों को निचले स्तर तक पहुंचाने कार्यकर्ता तन-मन से जुटे हुए हैं. मंत्री भी विभागों की समीक्षा कर रहे. भाजपा की सरकार बनने के बाद मंत्री अपने विभागों की समीक्षा कर रहे हैं. हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाने का काम हो रहा है. कैबिनेट बैठक पर केदार कश्यप ने कहा, कल तीन बजे मंत्री परिषद की बैठक सीएम की अध्यक्षता में आयोजित है. अभी बैठक के एजेंडे सामने नहीं आए हैं. तीन महीने बाद ये बैठक हो रही है. पिछले सरकार ने मंत्रालय को उपेक्षित रखा था,

घर पर ही सरकार चलाने का काम किया. भाजपा सरकार योजना बनाके बेहतर तरीके से क्रियान्वयन कर रहे हैं.

लोगों को जगाना है सिकलसेल को भगाना है - साय

राज्य स्तरीय आयोजन रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में 19 जून को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विश्व सिकलसेल दिवस पर लोगों को जगाना है और छत्तीसगढ़ से सिकलसेल एनीमिया को भगाना है। प्रदेश के 33 जिलों के 33 हजार हितग्राहियों को सिकलसेल के लिए चिन्हित किया गया है। प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, छात्रावास-आश्रमों तथा आवासीय विद्यालयों में भी सिकलसेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन 19 जून को किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन राजधानी रायपुर के अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में 19 जून को पूर्वान्ह 11.30 बजे मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा।

विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर 19 जून को राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर जागरूकता शिविरों और सिकलसेल परीक्षण का आयोजन स्वास्थ्य केन्द्रों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विभागीय अमले को प्रदेश में सिकलसेल उन्मूलन के लिए व्यापक रूप से स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास

विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा कार्ययोजना बनाकर सभी जिलों में सिकलसेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों में सिकलसेल बीमारी की अधिक से अधिक जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि इस बीमारी का उन्मूलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2024 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है। इस कड़ी में सिकलसेल उन्मूलन मिशन का आगाज 2023 में किया गया है और इसके उन्मूलन का कार्य 2047 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य में शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधि, पंचायत, ग्राम सभा, सभी समुदाय के लोग, स्थानीय निकाय, एनजीओ, चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टॉफ, शिक्षक सहित सभी के सहयोग से इस लक्ष्य को 2047 से पहले ही प्राप्त करने प्रयास किया जाएगा। इस दिशा में तेजी से स्क्रीनिंग का कार्य और स्क्रीनिंग पश्चात् जिन लोगों को इस रोग के उपचार की आवश्यकता हो, उन्हें दवा, उपचार, परामर्श और सतत सहयोग देने के लिए राज्य शासन दृढ़ संकल्पित है। विभागीय मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि सिकलसेल जागरूकता और परीक्षण एक प्रमुख कार्यक्रम है जो आदिवासी हितों की रक्षा करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के अन्य रहवासियों की भी जीवन रक्षा में कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस घातक रोग की रोकथाम, प्रबंधन एवं जनजागरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और इसके लिए सभी सेवाभावी संस्थाओं और स्वैच्छिक संगठनों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने हेतु आव्हान किया गया है।

बलौदाबाजार घटनाः सही दोषियों पर हो कार्रवाई, कांग्रेस पर झूठे आरोप लगा रही भाजपा सरकारः भूपेश

रायपुर। बलौदाबाजार हिंसा मामले को लेकर प्रदेशभर में आज कांग्रेस प्रदर्शन कर रही. रायपुर में आयोजित प्रदर्शन में पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत कई नेता शामिल हुए. इस दौरान भूपेश बघेल ने साय सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, कांग्रेस नेताओं पर भाजपा सरकार झूठे आरोप लगा रही है. कांग्रेस के किसी नेता ने कोई भाषण नहीं दिया था. आज साय सरकार में पुलिस की स्थिति यह हो गई है कि कुत्ता पकड़ने जाओ और बंदर पकड़ के ले आओ. भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा की सरकार निर्दोष

लोगों को गिरफ्तार कर रही. बलौदाबाजार घटना में कलेक्टर और एसपी शामिल रहे. कांग्रेस की मांग है कि जो सही में दोषी है उनके खिलाफ कार्रवाई हो. सरकार ने दंगा फैलाने की कोशिश की है. घटना के लिए सीधे तौर पर सरकार जिम्मेदार है. मुख्यमंत्री साय में नैतिकता है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए. बघेल ने आरोप लगाया कि बलौदाबाजार की घटना के पीछे असामाजिक तत्व और सरकार की मिलीभगत है. हमारे साथियों ने बताया कि घटना के कुछ दिनों पहले सरकार और उनकी पार्टी से जुड़े लोगों की बैठक हुई थी. कांग्रेस का आरोप है कि घटना सरकार प्रायोजित है. पुलिस खुद आग लगाने में शामिल थी. उन्होंने विजय गुरु के परिवार से मुलाकात पर सवाल उठाते हुए कहा कि बात क्या हुई गृहमंत्री को बताना चाहिए. सरकार के अंदर सारे सिस्टम फेल हो चुके हैं. मंत्रियों के बीच मतभेद दिखाई पड़ रहे हैं. सरकार समाज को बांटने लगी है. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बृजमोहन अग्रवाल के विधायकी छोड़ने पर कहा, बृजमोहन अग्रवाल को लोकसभा से इस्तीफा दे देना चाहिए. हम चाहते हैं वो यहीं रहे.

पुलिस की कार्यप्रणाली में उर्दू की जगह हिंदी शब्दों का हो प्रयोग

उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली में उर्दू, फारसी के शब्दों को हटाकर इनकी जगह सरल हिंदी शब्द जोड़ने के लिए राज्य के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है. पत्र में उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी लिखा-पढ़ी और बोलचाल में उर्दू, फारसी के शब्दों की जगह सरल हिंदी शब्दों का प्रयोग करे, ताकि आम जनता या पीड़ित को पुलिस की कार्यप्रणाली समझ आए.

गृह मंत्री शर्मा ने कहा कि 1896 के समय से पुलिस विभाग में प्रयोग में लाए जा रहे कई शब्द आम लोगों की समझ में नहीं आते, इसलिए इन्हें बदलना आवश्यक है. छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 24 साल बाद व्यापक जनहित में यह अच्छी पहल होगी. शर्मा ने कहा, हमारे पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश की पुलिस ने अब अपनी कार्यप्रणाली में उर्दू के शब्दों का प्रयोग नहीं करने का निर्णय लिया है. वहां पुलिस की लिखा-पढ़ी और बोलचाल की भाषा में उर्दू, फारसी और अन्य भाषाओं के 69 शब्दों का प्रयोग बंद करके इनकी जगह हिंदी के शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है. यह अच्छा उदाहरण है.

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

नेशनल हाईवे और रेलवे के लिए मिलेगी बड़ी सौगात

रायपुर। 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का पीएम मोदी का मूल संकल्प है. केंद्र का आगामी बजट वो इसी दिशा में काम करेगा. छत्तीसगढ़ में भी उसी दिशा में अधोसंरचना, नेशनल हाईवे और रेलवे के लिए बड़ी सौगात मिलेगी. यह बात प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मानसून सत्र में पेश होने वाले केंद्रीय बजट को लेकर पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही. वित्तमंत्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश में विशेष इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क प्रोजेक्ट, मेडिकल कॉलेजों खोले जाने और उसकी सुविधाओं के विस्तार पर हम लगातार काम कर रहे हैं. इसके प्रस्ताव हमने केंद्र को भेजा है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के इन प्रस्तावों पर केंद्र से स्वीकृति मिलेगी और प्रदेश का विकास होगा. जमीन की रजिस्ट्री के टोकन सिस्टम में बदलाव पर मंत्री चौधरी ने कहा कि अभी छोटे-छोटे रिफॉर्म्स किए जा रहे हैं. लोगों की सुविधा लिए बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा? कि तीन-चार महीने में बड़े बदलाव देखने मिलेंगे. कांग्रेस अनावश्यक आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है- पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के इवीएम में छेड़खानी वाले बयान पर ओपी चौधरी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस हताशा, निराशा दोहरी मानसिकता का शिकार हो चुकी है.

जियो रेफरेंसिंग से खत्म हो जाएंगे किसानों के जमीन विवाद

रायपुर। आचार संहिता हटते ही साय सरकार एक्शन मोड पर है. लगातार रोज मंत्री अपने विभागों की समीक्षा बैठक लेकर आगे की कार्ययोजना बना रहे. राजस्व विभाग में समीक्षा को लेकर खेल एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, राजस्व विभाग में समीक्षा बैठक लिए हैं. पुराने लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण किया जाएगा. जियो रेफरेंसिंग का काम चल रहा है, जिससे किसानों के सीमांकन-बटांकन के सारे विवाद समाप्त हो जाएंगे. मंत्री टंकराम ने कहा, जियो रेफरेंसिंग होने पर किसानों को सहूलियत होगी. प्रकरणों का समय सीमा में निपटारा हो, इसलिए कार्यों की समीक्षा की गई. राजस्व विभाग के काम में भी तेजी आ रहा है. किसानों की समस्याओं का समाधान हो रहा है. अधिकारी समय पर दफ्तर नहीं पहुंचते, इसे लेकर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, सबको समय पर कार्यालय आने और ईमानदारी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं. किसानों के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के भी निर्देश दिए गए हैं. बलौदाबाजार मामले में जांच को लेकर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, जांच चल रही है. उसके नतीजे भी आ रहे हैं. उपद्रवियों को चिन्हांकित कर उनकी अरेस्टिंग भी की जा रही है. बलौदाबाजार मामले में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, कांग्रेस के कारण ही माहौल खराब हुआ है.

जनता के काम आऊं यही मेरी कोशिशः बृजमोहन

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने धरसीवां, कुरा, खरोरा, तिल्दा नेवरा में विजय आभार यात्रा निकाली। यात्रा की शुरुआत धनेली से हुई। इस दौरान लोगों ने विजय आभार यात्रा का जगह जगह-जगह स्वागत किया। इस मौके पर बृजमोहन ने जनता से कहा कि लोकसभा चुनाव में मिली जीत उनकी नहीं क्षेत्र की जनता की जीत है। जिनके प्यार और आशीर्वाद से रायपुर का देशभर में नाम हुआ है। आज वो जो कुछ भी हैं जनता के आशीर्वाद से हैं। वो हमेशा जनता के काम आएं, यही उनकी कोशिश रहेगी। आभार यात्रा दिलबाग ढाबा, सिलतरा मेन रोड, धरसीवां मेन रोड होते हुए कूरा पहुंची। सांसद ने बाजार चोक में जनता को संबोधित किया। इसके बाद में कपसदा, रैता, कुथरेल ,सिलियारी, सारागांव यहां से खरोरा में करिया दामा चौक, सुभाष चन्द्र बोस चौक, मेन रोड खरोरा, गायत्री मंदिर, केसला मेन रोड, दीनदयाल उपाध्याय चौक पहुंचे। यहां से आभार यात्रा तिल्दा पहुंची । प्रवेश द्वार पर स्वागत हुआ। यहां से खूबचंद बघेल चौक, अग्रवाल आभूषण, राज टॉकीज, पं. दीनदयाल उपाध्याय चौक, स्टेशन चौक, राधा कृष्ण मंदिर, अग्रवाल आभूषण, वेलकम डेली नीड्स, पंजवानी निवास, सिंधी पंचायत, बैंक ऑफ इंडिया, राजेश ट्रेडर्स, अग्रेसन चौक, हेमू कालानी चौक, कैलाश राइसमिल निवास, परशुराम भवन, गांधी चौक पर विजय आभार यात्रा का समापन हुआ।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बिल्डिंग में लगी आग, मची अफरातफरी

रायपुर। राजधानी के टैगोर नगर में स्थित माध्यमिक शिक्षा मंडल की बिल्डिंग में आग लग गई. आग की वजह से दफ्तर में अफरातफरी का माहौल बन गया. आगजनी की घटना की सुचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबु पाया. जानकारी के मुताबिक एसी शार्ट सर्किट होने की वजह से बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर पर स्थित मिटींग हॉल में आग फैल गई थी. इस घटना में लगभग आधा दर्जन टेलीविजन, तीन एसी, एक बड़ा प्रोजेक्टर जलकर राख हो गए हैं. जिनकी किमत 35 से 40 लाख रुपये आंकि गई है. गनिमत रही कि आग की सुचना पर दमकल विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए आग पर काबु पा लिया. जिसके चलते इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, वरना बड़ी अनहोनी हो सकती थी.

अनवर को गिरफ्तार करने रायपुर पहुंची यूपी एसटीएफ की टीम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद आरोपी कारोबारी अनवर ढेबर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है. बीते दिनों हाईकोर्ट ने जमानत मिलने के बाद अनवर ढेबर रिहाई का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन यूपी स्क्वॉड की टीम अनवर का प्रोडक्शन वारंट लेकर उन्हें गिरफ्तार करने रायपुर पहुंच गई. इधर इस बात की भनक लगते ही अनवर ढेबर के परिजन और समर्थक भी एम्बुलेंस लेकर जेल पहुंच गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती की मांग कर रहे है. बता दें कि 2000 करोड़ से अधिक के शराब घोटाला मामले में नकली होलोग्राम बनाने को लेकर जेल में बंद आरोपी अनवर ढेबर और अरुण पति त्रिपाठी की 19 जून को मेरठ में पेशी होनी है. जिसके लिए यूपी पुलिस रायपुर ने न्यायलय में आवेदन दाखिल कर आरोपियों के प्रोडक्शन वारंट की मांग की थी. कोर्ट ने सोमवार को तीन में से दो आरोपी ढेबर और त्रिपाठी को यूपी ले जाने की इजाजत दे दी. इसी सिलसिले में सोमवार की दोपहर जब आरोपियों को यूपी ले जाने के लिए पुलिस का अमला रायपुर जेल पहुंचा तो जेल प्रशासन द्वारा इन आरोपियों की तबियत ख़राब होने का हवाला देते हुए यूपी ले जाने से रोक दिया गया.

संस्कार भारती का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन संपन्न

रायपुर।

कला एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती छत्तीसगढ़ की 23 वीं प्रांतीय साधारण सभा , ऐतिहासिक - पौराणिक एवं धार्मिक नगरी रतनपुर के श्री सिद्धिविनायक मंदिर परिसर में प्रांत के 11 जिलों से आए हुए 63 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई । छः सत्रों में हुई इस दो दिवसीय साधारण सभा की शुरुवात श्री निरंजन पंडा अखिल भारतीय लोककला सहप्रमुख, श्री अनिल जोशी मध्य क्षेत्र प्रमुख एवं श्री रिखी सिंह क्षत्रिय प्रांतीय अध्यक्ष के आतिथ्य में हुई । मां भारती के समक्ष दीप प्रज्जवलन के पश्चात ध्येय गीत से सत्र प्रारंभ हुआ । प्रथम सत्र में वार्षिक प्रतिवेदन प्रांतीय महामंत्री हेमन्त माहुलीकर ने रखा, गत वर्ष के आय व्यव के साथ वर्तमान कोष की जानकारी प्रांतीय कोष प्रमुख जागेश्वर सिंह मानसर द्वारा दी गई, जिसका अनुमोदन उपस्थित सभी प्रतिनिधियों द्वारा ओंकार ध्वनि के साथ किया। प्रांत के कोष को पुष्ट करने हेतु कला / मंगल निधि के रूप राशि दान करने आग्रह किया गया । अनेक सदस्यों ने स्वेच्छा से दान की राशि कोषाध्यक्ष को सौंपी । निरंजन पंडा जी ने उद्बोधन में कहां की संस्कार भारती की आज तीसरी पीढ़ी उपस्थित है । भारतीय संस्कृति को विश्व में स्थापित करने के लिए कलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है । परंतु हमारी संस्कृति के विरोधी तत्व इसे नष्ट करने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं अतः सभी कला साधक एकत्र

होकर अपनी-अपनी कला के माध्यम से प्रयास करेंगे तो निश्चित ही विजय प्राप्त होगी । गत वर्ष संस्कार भारती के दिवंगत स्वजनों को श्रद्धांजलि दी गई ।

द्वितीय सत्र विभिन्न जिलों से आए हुए अध्यक्षों के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ, जिला इकाइयों के महामंत्रियों द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें गत वर्ष प्रदेश में संस्कार भारती के तत्वावधान में हुए अनेक देश - प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण सभा के समक्ष रखा गया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत उड़ीसा से आए कला साधिकाओं देवकी मलिक , सुनीमा प्रधान एवं स्वतीका प्रधान द्वारा ओडिसी नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई । इन युवा कला साधकों को संस्कार भारती छत्तीसगढ़ की ओर से महंत दिव्याकांत दास जी ने सम्मानित किया । द्वितीय दिवस प्रातः सभी कार्यकर्ताओं ने मां महामाया के दर्शन पश्चात तृतीय सत्र में शिरकत की। मध्य क्षेत्र प्रमुख श्री अनिल जोशी जी ने रीति नीति और व्यवस्था इस विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा की हम सभी को एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी निभाते हुए अनुशासित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करनी चाहिए । उन्होंने कहा संस्कार भारती में पद नहीं दायित्व स्वीकारा जाता है । कोई भी कार्य दायित्व में रहकर ही करें ये जरूरी नहीं एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य को करना सीखना होगा । कला और संस्कृति समाज का विषय है केन्द्र या राज्य सरकारें उसके संरक्षण में सहयोग करती हैं यह अच्छी बात है परंतु संवर्धन , पोषण यह समाज का ही कार्य है । संस्कार भारती के कला साधक 1981 से इसी कार्य में संलग्न है ।

चतुर्थ सत्र में अखिल भारतीय लोक कला सह संयोजक निरंजन पंडा जी का मार्गदर्शन मिला । जिसमे उन्होंने कार्यक्षेत्र में साध्य, साधन और साधक इन बिंदुओ पर विस्तार से चर्चा कर उपस्थित प्रतिनिधियों के विचार भी लिए ।

टमाटर हुआ 80 रुपये किलो, बरबट्टी-शिमला मिर्च के भी भाव बढ़े

रायपुर। कम आवक के कारण पिछले कुछ दिनों से सब्जियों के दाम आसमान झूने लग गई है। अधिकांश सब्जियों में डलने वाला टमाटर अब लोगों को रुलाने लगा है, शास्त्री बाजार में यह 80 रुपये किलो में बिक रहा हैं वहीं ढेलों पर इसकी कीमत 100 रुपये को पार कर चुकी है। बरबट्टी पहली बार बाजार में 100 रुपये किलो में मिल रहा है, वहीं शिमला मिर्च भी शतक पार हो गई है। कारोबारियों का कहना है कि कीमतें बढने के पीछे मुख्य कारण यह है कि बाजार से स्थानीय आवक का नहीं के बराबर हो गई है तथा सब्जियों के लिए पूरी निर्भरता बाहरी आवक पर हो गई है। बाहर मार्केट से ही आने वाली इन सब्जियों की कीमतें वहां ही काफी महंगी है इसलिए यहां पर इसका असर पढना लाजमी है। शास्त्री बाजार, गोलबाजार, आमापारा, संतोषीनगर सहित अन्य बाजारों में टमाटर 80 रुपये किलो, गोभी 70 रुपये किलो, बैगन 50-60 रुपये किलो, भिंडी 40 से 50 रुपये किलो, करेला 60 रुपये किलो, पत्ता गोभी 50 रुपये किलो, बरबट्टी 110 रुपये किलो, शिमला मिर्च 110 रुपये किलो तक बिक रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.